website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 326 | पेज: 8 | जयपुर, रविवार 02 नवम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

डबल इंजन सरकार में राज्य नई ऊंचाइयों को छू रहा है - पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नवा रायपुर में आयोजित छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव समारोह में भाग लिया। उन्होंने राज्यवासियों को बधाई देते हुए कहा कि डबल इंजन सरकार में छत्तीसगढ़ विकास की नित नई ऊंचाइयों को छू रहा है। नवा रायपुर अटल नगर में छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में शामिल होकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। जय जोहार।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में प्रदेश के विकास यात्रा की चर्चा करते हुए कहा कि जब छत्तीसगढ़ बना था, तब गांवों तक पहुंचना बेहद कठिन था। उस समय बहुत सारे गांवों में सड़कों का नामो-निशान तक नहीं था। आज छत्तीसगढ़ के गांवों में सड़कों का नेटवर्क 40 हजार किलोमीटर तक पहुंच चुका है। बीते 11 वर्षों में नेशनल हाइवे का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। आज छत्तीसगढ़ में वंदे भारत जैसी तेज गति की ट्रेनें दौड़ रही हैं। कभी छत्तीसगढ़ सिर्फ कच्चे माल के निर्यात के लिए जाना जाता था। आज यह एक इंडस्ट्रियल स्टेट के रूप में नई पहचान बना रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है क्योंकि छत्तीसगढ़ को लोकतंत्र का नया मंदिर, नया विधानसभा भवन प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर उन्हें आदिवासी संग्रहालय का लोकार्पण करने का भी अवसर मिला है। इसके अलावा, इस मंच से लगभग 14 हजार करोड़ रुपए की योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया। उन्होंने कहा, "इन विकास कार्यों के लिए मैं आप सभी को हार्दिक बधाई देता हूं।

उन्होंने आगे कहा कि 25 साल का यह कालखंड पूरा हुआ है और आज अगले 25 साल के नए युग का सूर्योदय हो रहा है। 25 वर्ष पहले अटल जी की सरकार ने आपके सपनों का छत्तीसगढ़ आपको सौंपा था। उन्होंने यह संकल्प भी लिया था कि छत्तीसगढ़ विकास की नई बुलंदी छुएगा। आज यह राज्य उसी दिशा में तेज गति से आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि छत्तीसगढ़ की रजत जयंती के इस समारोह में शामिल होना उनके लिए गर्व का क्षण है। मैंने भाजपा कार्यकर्ता के रूप में राज्य गठन से पहले का दौर भी देखा है और इन 25 वर्षों की विकास यात्रा का साक्षी भी रहा हूं। इसलिए इस गौरवशाली पल का हिस्सा बनना मेरे लिए अद्‌त अनुभूति है।

उन्होंने गरीब कल्याण योजनाओं पर कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा गरीब की दवाई, कमाई, पढ़ाई और सिंचाई पर फोकस किया है। 25 साल पहले हमारे छत्तीसगढ़ में सिर्फ एक मेडिकल कॉलेज था, आज यहां 14 मेडिकल कॉलेज हैं और रायपुर में एम्स भी है। यह बदलाव छत्तीसगढ़ की प्रगति की तस्वीर पेश करता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार का लक्ष्य हर गरीब को पक्का घर देना है। बीते 11 वर्षों में 4 करोड़ गरीबों को पक्के घर दिए गए हैं और अब 3 करोड़ नए घर बनाने का संकल्प लिया गया है। आज के दिन भी छत्तीसगढ़ में साढ़े तीन लाख से अधिक परिवार अपने नए घर में गृह प्रवेश कर रहे हैं। यह दिखाता है कि छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार गरीबों के कल्याण के लिए कितनी गंभीरता से काम कर रही है।

मेलिसा तूफान के बाद कैरिबियाई देशों की मदद में जुटे यूएन और सहयोगी संगठन

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र और उसके सहयोगी तूफान मेलिसा के बाद राहत सामग्री पहुंचाने और मदद समन्वयित करने के लिए तेजी से काम कर रहे हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र की मानवीय संस्था ओसीएचए ने दी। ओसीएचए ने कहा कि जमेका, क्यूबा और हैती में लाखों लोग तूफान से प्रभावित हुए हैं और तुरंत मदद की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय मामलों के अवर महासचिव और आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ्लेचर ने कहा कि ऐसे समय में अंतरराष्ट्रीय सहयोग सिर्फ सिद्धांत नहीं, बल्कि जीवनरेखा होता है। क्यूबा के पूर्वी हिस्सों से गुजरे तूफान मेलिसा ने सैंटियागो, होलगुइन, ग्रान्मा और ग्वांतानामो में भारी तबाही मचाई है। कई क्षेत्र अभी भी कटे हुए हैं और सड़कों, रेल और हवाई मार्गों को नुकसान पहुंचा है, जिससे राहत कार्य मुश्किल हो रहे हैं। ओसीएचए ने बताया कि वह एक कार्य योजना बना रहा है ताकि राहत कार्य बेहतर तरीके से चल सकें। इसके लिए एक टीम मौके पर भेजी गई है और लैटिन अमेरिका एवं कैरेबियन क्षेत्रीय कार्यालय से भी सहायता मिल रही है। जमैका में सरकार खुद राहत कार्यों का नेतृत्व कर रही है और ओसीएचए कैरेबियन आपदा आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी की टीमों के साथ मिलकर जरूरतों का आकलन कर रही है। खाद्य एवं कृषि संगठन, यूनिसेफ, यूएन जनसंख्या कोष और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन भी इन प्रयासों में शामिल हैं। हैती में, जहां पहले से ही मानवीय और हिंसक संकट गहरा हुआ है, संयुक्त राष्ट्र की टीमें सरकार के साथ मिलकर आश्रय, भोजन, जरूरी सामान और नकद सहायता जैसी तत्काल जरूरतों को पूरा करने में लगी हैं।

कनाडाई पीएम कार्नी ने ट्रम्प से मांगी माफी:
टैरिफ विवाद पर अमेरिका ने लगाया 10% एक्स्ट्रा शुल्क, व्यापारिक बातचीत ठप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा और अमेरिका के बीच व्यापारिक तनाव एक बार फिर सुर्खियों में है। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शनिवार को बताया कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से माफी मांगी है। माफी की वजह एक ऐसा विज्ञापन बना, जिसने दोनों देशों के बीच चल रही व्यापारिक बातचीत को रोक दिया और अमेरिका ने कनाडाई सामानों पर 10% अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया।

विवाद की शुरुआत कैसे हुई

कनाडा के ओंटारियो प्रांत की सरकार ने एक विज्ञापन चलाया था जिसमें पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के पुराने भाषण का इस्तेमाल किया गया था। विज्ञापन में रीगन के कथन को इस तरह दिखाया गया कि वे टैरिफ के खिलाफ थे और उसे अमेरिकी नागरिकों के लिए नुकसानदेह मानते थे।

यह विज्ञापन वर्ल्ड सीरीज बेसबॉल मैच के दौरान प्रसारित हुआ, जिसे लाखों लोगों ने देखा। जैसे ही ट्रम्प को इसकी जानकारी मिली, वे भड़क गए और उन्होंने कनाडाई उत्पादों पर 10% अतिरिक्त टैरिफ लगाने की घोषणा कर दी।

ट्रम्प की नाराज़गी और बयान

ट्रम्प ने कहा— "मुझे कार्नी पसंद हैं, लेकिन उन्होंने जो किया वह गलत था। उन्होंने माफी इसलिए मांगी क्योंकि वह विज्ञापन झूठा था।"

ट्रम्प ने दावा किया कि रोनाल्ड रीगन टैरिफ के पक्ष में थे, लेकिन कनाडा ने उन्हें उल्टा दिखाया। उन्होंने यह भी कहा कि फिलहाल अमेरिका कनाडा के साथ व्यापारिक बातचीत दोबारा शुरू नहीं करेगा।

विज्ञापन पर मचा बवाल

विज्ञापन ओंटारियो सरकार द्वारा तैयार किया गया था और राज्य के प्रीमियर ने ट्रम्प की नाराज़गी के बाद इसे रविवार से हटाने की बात कही। लेकिन शुक्रवार रात वर्ल्ड सीरीज के पहले मैच के दौरान यह विज्ञापन प्रसारित कर दिया गया।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा— "कनाडा रंगे हाथों पकड़ा गया है। उन्होंने रीगन के भाषण को तोड़-मरोड़ कर पेश किया। यह धोखाधड़ी थी, और फिर भी उन्होंने विज्ञापन हटाने से इनकार कर दिया।"

आर्थिक असर और टैरिफ की मार

अमेरिका ने पहले से ही कनाडा पर 35% टैरिफ लगाया हुआ था। अब ट्रम्प के इस नए फैसले के बाद यह 45% तक पहुंच गया है — जो भारत और ब्राजील के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा है।

इसके अलावा अमेरिका ने स्टील और एल्युमिनियम पर 50% टैरिफ भी लगाया हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय एजेंसी जेपी मॉर्गन की रिपोर्ट के मुताबिक, इस टैरिफ से आने वाले पांच वर्षों में कनाडा की GDP को लगभग 1.2% तक का नुकसान हो सकता है।

व्यापार पर असर

कनाडा की अर्थव्यवस्था अमेरिका पर काफी हद तक निर्भर है। लगभग 75% कनाडाई निर्यात अमेरिका को जाता है, और रोजाना करीब 3.6 अरब कनाडाई डॉलर (लगभग 2.7 अरब अमेरिकी डॉलर) का व्यापार दोनों देशों के बीच होता है। हालांकि अमेरिका और कनाडा के बीच USMCA (यूएस-कनाडा-मेक्सिको समझौते) के तहत कई वस्तुएं टैरिफ-मुक्त हैं, लेकिन नई पाबंदियों से उद्योग जगत में चिंता बढ़ गई है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सेना-से-सेना स्टाफ वार्ता

-मानव रहित एयरक्राफ्ट सिस्टम बनाने में सहयोग पर बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को कैनबरा में सेना-से-सेना स्टाफ वार्ता का समापन किया। इस वार्ता के तहत जल-थल-स्थल संचालन और मानव रहित एयरक्राफ्ट सिस्टम (यूएएस) में सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भारतीय सेना के अतिरिक्त, लोक सूचना महानिदेशालय (एडीजीपीआई) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया, "भारत-ऑस्ट्रेलिया सेना-से-सेना स्टाफ वार्ता 29-31 अक्टूबर 2025 तक कैनबरा में आयोजित की गई। विचार-विमर्श में बढ़ते सेना-से-सेना सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया गया, जल-थल अभियानों और मानव रहित विमान प्रणालियों में सहयोग के नए क्षेत्रों की खोज की गई। दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय स्थिरता के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और रॉयल मिलिट्री कॉलेज डंटरून का दौरा किया।"

गुरुवार को, दोनों देशों ने कैनबरा में आतंकवाद निरोध पर संयुक्त कार्य समूह (जेडब्ल्यूजी) की 15वीं बैठक भी संपन्न की। इसमें कट्टरपंथ और आतंकवाद का मुकाबला करने में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान, दोनों देशों के अधिकारियों ने उभरते घरेलू, क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद परिदृश्य पर चर्चा की और आतंकवाद निरोध, कानून प्रवर्तन, न्यायिक सहयोग और समुद्री सुरक्षा में सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

विदेश मंत्रालय (एमईए) के बयान के अनुसार, बैठक की सह-अध्यक्षता विदेश मंत्रालय के संयुक्त सचिव (आतंकवाद-रोधी) विनोद बहाडे और ऑस्ट्रेलिया की आतंकवाद-रोधी राजदूत जेम्मा हगिंस ने की। विदेश मंत्रालय ने कहा, "दोनों पक्षों ने पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए जघन्य आतंकवादी हमले की निंदा की और ऑस्ट्रेलियाई पक्ष ने भारत के प्रति अपना समर्थन और एकजुटता दोहराई।"

विदेश मंत्रालय की ओर से आगे कहा गया, "दोनों पक्षों ने आतंकवाद का मुकाबला करने में चुनौतियों का प्रभावी ढंग से मुकाबला करने के लिए सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता को स्वीकार किया। दोनों पक्षों ने आतंकवादी उद्देश्यों के लिए नई और उभरती हुई तकनीक के उपयोग का मुकाबला करने के लिए समय पर सूचना साझा करने और ठोस कार्रवाई में सहयोग को मजबूत करने पर जोर दिया। इसके साथ ही आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले कट्टरपंथ और हिंसक उग्रवाद का मुकाबला करने में सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।"

हमारा नॉर्थ ईस्ट पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में ऊर्जा-लक्ष्मी में बदल रहा : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में नॉर्थ ईस्ट को ऊर्जा-लक्ष्मी का स्वरूप बताया। केंद्रीय मंत्री जोशी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी देते हुए बताया कि वे गुवाहाटी में रिन्यूएबल एनर्जी पर रीजनल वर्कशॉप में शामिल हुए और कार्यक्रम में अपना भाषण दिया। कार्यक्रम में अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री जोशी ने कहा कि क्लीन एनर्जी के प्रति भारत की प्रतिबद्धता एक स्थायी और आत्मनिर्भर भविष्य के लिए देश के विजन को दर्शाती है। उन्होंने कहा, "प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर नॉर्थ-ईस्ट में अपने संसाधनों को समावेशी और मजबूत विकास के इंजन में बदलने की क्षमता है।"

जोशी ने पोस्ट में लिखा, "आज गुवाहाटी में रिन्यूएबल एनर्जी पर रीजनल वर्कशॉप में भाषण दिया। मैंने नॉर्थ ईस्ट राज्यों की बेहतरीन रिन्यूएबल कैपेसिटी शेयर के लिए उनकी प्रगति की प्रशंसा की। साथ ही, फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति का रिव्यू किया। इसके अलावा, सोलर, स्मॉल हाइड्रो, ग्रीन हाइड्रोजन और बायोमास में इस क्षेत्र की अपार क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए जरूरी कदमों पर चर्चा की।" उन्होंने आगे कहा, "साथ मिलकर, हम एक स्वच्छ, हरे-भरे और एनर्जी-सिक्योर नॉर्थ ईस्ट की ओर बढ़ रहे हैं, जो सस्टेनेबिलिटी के जरिए समृद्धि के प्रधानमंत्री के विजन को साकार कर रहा है।"

इसके अलावा, उन्होंने गुवाहाटी में भारत की एकता और अखंडता के निर्माता सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 150वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी और कहा कि उनका विजन कई जेनरेशन को एकता की भावना को मजबूत करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। इससे पहले करीब एक हफ्ते पहले एक इवेंट में शामिल होने के साथ केंद्रीय मंत्री जोशी ने नॉर्थ-ईस्ट को लेकर कहा था कि दशकों तक नजरअंदाज रहे उत्तर पूर्वी राज्यों ने पीएम मोदी के नेतृत्व में एक महत्वपूर्ण बदलाव देखा है। उन्होंने एक्स हैंडल पर एक पोस्ट में कहा, "पीएम मोदी के उत्तर पूर्वी राज्यों में नियमित दौरे, समर्पित पहल और केंद्रित शासन के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र अभूतपूर्व विकास को बढ़ावा दे रहे हैं।"

बिहार चुनाव 2025:
बेगूसराय में प्रियंका गांधी का NDA पर वार — 'चुनाव से पहले 10,000 रुपये बांटे, इरादे नेक नहीं'

नई दिल्ली ।बिहार विधानसभा चुनाव 2025 जैसे-जैसे नज़दीक आ रहे हैं, राज्य का सियासी तापमान तेज़ी से बढ़ता जा रहा है। हर पार्टी वोटरों को साधने में जुटी है। इसी क्रम में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा शनिवार (1 नवंबर) को बेगूसराय पहुंचीं और एनडीए सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी गठबंधन ने महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया, लेकिन चुनाव से पहले 10,000 रुपये बांटकर जनता को लुभाने की कोशिश की है।

प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा— "क्या बिहार की जनता जीवन चलाने के लिए संघर्ष कर रही है, जो प्रधानमंत्री आकर पूछते हैं कि उन्हें कितने रुपये देने चाहिए?" उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों में नौकरियों की कमी, भ्रष्टाचार और असमानता के लिए एनडीए जिम्मेदार है।

जनता के जागरूक होने से डरते हैं सत्ताधारी

कांग्रेस नेता ने अपने भाषण में कहा कि जब जनता जागरूक हो जाती है तो "महलों में रहने वाले और अपनी छवि चमकाने पर ध्यान देने वाले नेता डरने लगते हैं"। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसे नेता जनता की सेवा करने के बजाय "वोट चोरी" का सहारा लेते हैं।

प्रियंका गांधी ने कहा कि बिहार में बेरोज़गारी और भ्रष्टाचार चरम पर है, जबकि एनडीए सरकार केवल चुनावी वादों और प्रचार पर ध्यान दे रही है। उन्होंने कहा कि "बिहार के हर बड़े उद्योग और संस्थान — चाहे वह आईआईटी हो या एम्स — कांग्रेस के शासनकाल में बने थे।"

महिलाओं और युवाओं के मुद्दे उठाए

प्रियंका गांधी ने बिहार की महिलाओं और युवाओं की स्थिति पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया, बल्कि "चुनाव से ठीक पहले 10,000 रुपये बांटकर वोट खरीदने की कोशिश की।"

उन्होंने जनता से अपील की कि "वोट आपका अधिकार है, इसे सोच-समझकर डालें, क्योंकि यह केवल राजनीति नहीं, आपके स्वाभिमान का मामला है।"

मोदी सरकार पर सीधा हमला

प्रियंका गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी बिहार में केवल भाषण देने आते हैं लेकिन युवाओं को नौकरियां देने का कोई ठोस प्लान नहीं दिखाते। उन्होंने सवाल उठाया — "20 साल से सत्ता में रहने के बाद अब अचानक नौकरियों की याद क्यों आई?"

महागठबंधन की तारीफ

अपने संबोधन में प्रियंका गांधी ने महागठबंधन की नीतियों और एकजुटता की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि महागठबंधन जनता की आवाज़ बनकर समानता, शिक्षा और रोज़गार के मुद्दों पर काम कर रहा है।

सियासी माहौल गरमाया

प्रियंका गांधी के इस बयान ने बिहार की सियासत को और गरमा दिया है। कांग्रेस और महागठबंधन जहां जनता के मुद्दों को केंद्र में रखने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं एनडीए इसे चुनावी बयानबाज़ी बता रहा है।

अब देखना यह होगा कि बेगूसराय की इस जनसभा के बाद बिहार की चुनावी हवा किस दिशा में रुख करती है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ की घटना पर दुख जताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ की घटना पर दुख जताया है। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को एकादशी उत्सव के दौरान मची भगदड़ में कम से कम नौ श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और बच्चे थे। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई दुखद घटना में हुई जान-माल की हानि के बारे में जानकर स्तब्ध हूं। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं।" वहीं, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, "आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई दुखद भगदड़ से अत्यंत दुखी हू। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।"

इससे पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना पर दुख व्यक्त किया और पीड़ितों के लिए मुआवजे की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने कहा, "आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में हुई भगदड़ से दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं, जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द ठीक हो जाएं।" पीएमओ ने 'एक्स' पर एक पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय राहत कोष से मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए और घायलों को 50 हजार रुपए की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी इस घटना को 'बेहद दुखद' बताया।

वहीं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने शोक व्यक्त करते हुए कहा, "श्रीकाकुलम जिले के काशीबुग्गा स्थित वेंकटेश्वर मंदिर में हुई भगदड़ ने मुझे गहरा सदमा पहुंचाया है। इस घटना में श्रद्धालुओं की जान जाना बेहद दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।" उन्होंने आगे लिखा कि जिला प्रशासन और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि घायलों को तुरंत और उचित इलाज उपलब्ध कराया जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि स्थानीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि घटनास्थल का दौरा करें और राहत व बचाव कार्यों की स्वयं निगरानी करें। सीएम नायडू ने अधिकारियों को यह भी कहा कि अस्पतालों में घायलों के इलाज की हर संभव व्यवस्था की जाए ताकि किसी भी घायल को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने जनता से भी अपील की कि अफवाहों से बचें और राहत कार्यों में प्रशासन की मदद करें। राज्य सरकार ने हादसे की जांच के आदेश दे दिए हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

कार्बन उत्सर्जन आधारित विकास का पैमाना बदलना होगा

औद्योगिक क्रांति के बाद से दुनिया में विकास का जो पैमाना तय हुआ, वह मुख्यतः जीवाश्म ईंधनों – यानी कोयला, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस – के इस्तेमाल पर आधारित रहा है। ऊर्जा की यह भूख आर्थिक प्रगति का पर्याय बन गई, लेकिन इसके साथ ही यह पृथ्वी के पर्यावरणीय संतुलन को भी गहराई से प्रभावित करने लगी। आज हालात यह हैं कि जितना अधिक कोई देश या समाज ऊर्जा का उपभोग करता है, उसे उतना ही 'विकसित' कहा जाता है, जबकि यही ऊर्जा खपत वायुमंडल में कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ाकर जलवायु संकट को और गंभीर बना रही है। पिछले 150 वर्षों में धरती का औसत तापमान लगभग 1.5 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ चुका है। वैज्ञानिक चेतावनी दे चुके हैं कि यदि मौजूदा रफ़्तार से कार्बन उत्सर्जन जारी रहा, तो अगले कुछ दशकों में तापमान में यह बढ़ोतरी 2 डिग्री सेल्सियस से भी ऊपर जा सकती है। इसका सीधा असर मौसम के पैटर्न, वर्षा, फसलों, पेयजल स्रोतों, समुद्र के स्तर और मानव स्वास्थ्य पर पड़ेगा। गर्म हवाओं, सूखे, बाढ़ और जंगल की आग जैसी आपदाएँ और घनी होती जाएँगी। जलवायु परिवर्तन अब केवल पर्यावरणीय मुद्दा नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता का कारण भी बन रहा है। लेकिन सबसे अहम सवाल यही है कि क्या दुनिया इसे रोकने के लिए वास्तव में कुछ ठोस कदम उठा रही है? नवंबर 2025 में ब्राजील में होने वाले 'कॉप-30' शिखर सम्मेलन से पहले जारी कई रिपोर्टें बताती हैं कि अब तक के प्रयास काफी कमजोर रहे हैं। पेरिस स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स की इनइक्वेलिटी लैब की क्लाइमेट इनइक्वेलिटी रिपोर्ट 2025 के अनुसार, दुनिया के अमीर तबके का कार्बन उत्सर्जन में योगदान असमान रूप से अधिक है। यह रिपोर्ट बताती है कि धनी व्यक्तियों की जीवनशैली और निवेश के तौर-तरीके जलवायु संकट को और बढ़ा रहे हैं। शीर्ष 10 प्रतिशत अमीर लोग वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के लगभग आधे के लिए जिम्मेदार हैं, जबकि गरीब तबका, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को सबसे अधिक झेलता है, उत्सर्जन में नगण्य हिस्सेदारी रखता है। इस असमानता का अर्थ यह है कि जलवायु परिवर्तन केवल पर्यावरणीय समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। अमीर देश और उद्योग कार्बन उत्सर्जन बढ़ाकर लाभ कमाते हैं, जबकि गरीब देश सूखे, बाढ़ और खाद्य संकट का सामना करते हैं। यह स्थिति विकास के मौजूदा मॉडल पर गहरा सवाल खड़ा करती है – क्या सचमुच ऊर्जा की अंधी खपत ही प्रगति का मापदंड होनी चाहिए? जरूरत इस बात की है कि दुनिया विकास के इस पैमाने को बदले। अब वह दौर आ गया है जब किसी देश की प्रगति का आकलन उसकी ऊर्जा खपत से नहीं, बल्कि उसके कार्बन उत्सर्जन को कम करने की क्षमता।

अमरीका-चीन में सुलह: टैरिफ में 10% कटौती से वैश्विक अर्थव्यवस्था में नई उम्मीद, भारत के लिए सकारात्मक संकेत

-व्यापारिक जंग से समझौते तक: बुसान बैठक ने बदली सियासत की दिशा

दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं — अमरीका और चीन — के बीच लंबे समय से चल रही ट्रेड वॉर (व्यापारिक जंग) ने पिछले एक दशक में न सिर्फ वैश्विक व्यापार व्यवस्था को हिला दिया था, बल्कि विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर भी गहरा असर डाला था। अब दक्षिण कोरिया के बुसान शहर में अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात के बाद आई यह खबर कि अमरीका ने चीन पर लगाए गए टैरिफ में 10% की कटौती की है, दुनिया की अर्थव्यवस्था के लिए उम्मीद की नई किरण लेकर आई है। यह मुलाकात, जो 2019 के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली आमने-सामने की बातचीत थी, लगभग दो घंटे चली। इसके बाद दोनों देशों ने न सिर्फ व्यापारिक रिश्तों में सुधार की दिशा में अहम निर्णय लिए, बल्कि मादक पदार्थों की तस्करी, तकनीकी सहयोग और निवेश को लेकर भी महत्वपूर्ण सहमति जताई।

पृष्ठभूमि : कब और कैसे शुरू हुई थी यह ट्रेड वॉर

अमरीका-चीन व्यापारिक तनाव की शुरुआत 2018 में तब हुई थी जब ट्रंप प्रशासन ने चीन से आने वाले कई उत्पादों पर भारी टैरिफ (आयात शुल्क) लगा दिए थे। उस समय अमरीका का तर्क था कि चीन अनुचित व्यापार प्रथाओं, बौद्धिक संपदा की चोरी और जबरन तकनीक हस्तांतरण का दोषी है। इन टैरिफ़ों का असर यह हुआ कि दोनों देशों ने एक-दूसरे पर सैकड़ों अरब डॉलर के उत्पादों पर शुल्क बढ़ा दिए — अमरीका ने लगभग 550 अरब डॉलर के चीनी सामान पर, जबकि चीन ने 185 अरब डॉलर के अमेरिकी सामान पर। इससे वैश्विक सप्लाई चेन अस्थिर हो गई, विनिर्माण लागत बढ़ी और कई छोटे देशों की अर्थव्यवस्था डगमगा गई।

बुसान बैठक : सुलह का संकेत

बुसान में हुई यह ऐतिहासिक बैठक लगभग दो घंटे चली। बैठक के बाद अमरीका ने घोषणा की कि वह चीन से आयातित उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ को 57% से घटाकर 47% कर रहा है। साथ ही, फेंटानिल जैसे मादक पदार्थों पर लगाए गए शुल्क को भी 20% से घटाकर 10% किया गया है। यह बदलाव केवल आर्थिक नहीं, बल्कि कूटनीतिक दृष्टि से भी बहुत बड़ा संकेत है। फेंटानिल एक अत्यंत घातक सिंथेटिक ड्रग है, जिसने अमरीका में लाखों युवाओं की जान ली है। ट्रंप ने शी जिनपिंग से साफ कहा था कि यदि चीन ने फेंटानिल की सप्लाई रोकने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए, तो अमरीका 100% टैरिफ लगाने को तैयार है। इसके जवाब में शी जिनपिंग ने सहयोग का भरोसा दिया और अमरीका भेजी जाने वाली फेंटानिल शिपमेंट पर सख्त निगरानी की सहमति जताई।

आर्थिक आयाम : 10% टैरिफ कटौती क्यों मायने रखती है

पहली नज़र में 10% की कटौती छोटी लग सकती है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय व्यापार के पैमाने पर इसका प्रभाव बहुत बड़ा है। पहला, यह संकेत देता है कि दुनिया की सबसे बड़ी दो अर्थव्यवस्थाएँ अब टकराव से संवाद की दिशा में बढ़ रही हैं। दूसरा, इससे सप्लाई चेन में स्थिरता आने लगेगी — विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव पार्ट्स, और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में। तीसरा, यह कदम मुद्रास्फीति (inflation) से जूझ रहे अमरीकी उपभोक्ताओं को राहत देगा, क्योंकि चीनी सामान सस्ता हो जाएगा। चौथा, चीन के उद्योगों को भी स्थिरता का भरोसा मिलेगा, जो पिछले कुछ वर्षों से निर्यात में गिरावट का सामना कर रहे थे। वैश्विक स्तर पर, टैरिफ कटौती से व्यापारिक लागत घटेगी और विनिर्माण की प्रक्रिया तेज़ होगी। इसका सीधा असर उन देशों पर पड़ेगा जो चीन और अमरीका दोनों के व्यापारिक साझेदार हैं — जैसे भारत, वियतनाम, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया और जर्मनी।

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर

विश्व अर्थव्यवस्था पिछले कुछ वर्षों से लगातार झटकों का सामना कर रही है — महामारी, रूस-यूक्रेन युद्ध, तेल बाज़ार की अस्थिरता और जलवायु परिवर्तन के कारण सप्लाई चेन बाधित रही। अब अगर अमेरिका-चीन रिश्तों में सुधार होता है, तो इससे वैश्विक व्यापार पर सकारात्मक लहर दौड़ सकती है।

कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता: टैरिफ कटौती से वैश्विक व्यापार बढ़ेगा, लेकिन शांति का माहौल बने रहने से तेल की कीमतें अधिक स्थिर रहेंगी।

मुद्रा बाज़ार में विश्वास: डॉलर और युआन दोनों के बीच स्थिरता आने से एशियाई मुद्राओं पर दबाव घटेगा।

निवेश माहौल में सुधार: जब दो बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच भरोसे का माहौल बनेगा, तो विदेशी निवेशक जोखिम लेने को तैयार होंगे।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र में राहत: सेमीकंडक्टर, चिप निर्माण और इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर टैरिफ घटने से तकनीकी उद्योग को नई ऊर्जा मिलेगी।

भारत के लिए अवसर : सकारात्मक संकेत

अमरीका-चीन टकराव के दौरान भारत को दोहरा फायदा मिला था — पहला, मैन्युफैक्चरिंग कंपनियाँ चीन से हटकर भारत में निवेश करने लगीं, और दूसरा, भारत का आईटी और फार्मा निर्यात तेज़ी से बढ़ा। अब जब दोनों देशों में सुलह का माहौल बन रहा है, तो भारत को थोड़ी रणनीतिक चालाकी दिखाने की ज़रूरत है। क्योंकि अगर दोनों देशों के रिश्ते पूरी तरह सामान्य हो जाते हैं, तो विदेशी निवेश का कुछ हिस्सा वापस चीन की ओर जा सकता है। लेकिन ट्रंप प्रशासन के ताज़ा बयानों से स्पष्ट है कि भारत के साथ ट्रेड डील अंतिम चरण में है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमरीका भारत के उत्पादों पर टैरिफ को 50% से घटाकर 15-16% तक ला सकता है। यह भारत के निर्यात के लिए बहुत बड़ा अवसर होगा।

भारत को मिलने वाले संभावित लाभ: टेक्सटाइल, जेम्स-ज्वेलरी, फार्मा और ऑटो पार्ट्स के निर्यात में तेज़ी अमरीका में भारतीय कृषि उत्पादों (चाय, कॉफी, मसाले, चावल) की मांग में वृद्धि, आईटी सेवाओं और स्टार्टअप निवेश में नया उछाल, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में तकनीकी सहयोग के नए दरवाज़े

फेंटानिल समझौता : एक मानवीय पहलू

फेंटानिल को लेकर बनी सहमति सिर्फ आर्थिक नहीं बल्कि मानवीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। अमरीका में इस ड्रग के कारण पिछले एक दशक में 7 लाख से अधिक लोग जान गंवा चुके हैं। चीन से आने वाले अवैध फेंटानिल और इसके कच्चे रसायनों पर नियंत्रण अमरीकी प्रशासन की प्राथमिकता रही है। अगर शी जिनपिंग का सहयोग सच्चे अर्थों में अमल में आता है, तो यह न केवल अमेरिका में नशे की महामारी को कम करेगा, बल्कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली का एक ठोस उदाहरण भी बनेगा।

रेयर अर्थ मेटल्स पर तनाव में कमी

रेयर अर्थ मेटल्स — यानी वे खनिज जिनकी ज़रूरत मोबाइल, बैटरी, सोलर पैनल और इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में होती है — अब आधुनिक अर्थव्यवस्था की रीढ़ बन चुके हैं। चीन इन धातुओं का 70% से अधिक उत्पादन करता है और उसने पहले इनके निर्यात पर प्रतिबंधों का संकेत दिया था। अब बैठक के बाद चीन ने इन प्रतिबंधों को टालने की घोषणा की है। यह वैश्विक टेक्नोलॉजी सेक्टर के लिए बहुत राहत की बात है। इससे अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया और भारत को वैकल्पिक सप्लाई लाइन बनाए रखने का अवसर मिलेगा।

पेट्रोल-डीजल पर वैट घटाना अब आर्थिक नहीं, सामाजिक जरूरत

-सीमावर्ती जिलों में संगठित तस्करी से 290 करोड़ का नुकसान, जनता राहत की आस में

राजस्थान में पेट्रोल और डीजल की कीमतें लंबे समय से आम जनता के बीच असंतोष और चर्चा का विषय बनी हुई हैं। राज्य की सीमाएं पंजाब, हरियाणा, गुजरात और मध्य प्रदेश से लगती हैं, जहां ईंधन पर वैट दरें राजस्थान की तुलना में काफी कम हैं। यही कारण है कि सीमावर्ती जिलों में पेट्रोल-डीजल की तस्करी एक संगठित और लाभदायक धंधा बन चुका है। यह स्थिति अब सिर्फ एक आर्थिक मुद्दा नहीं रही, बल्कि सामाजिक और कानून-व्यवस्था की समस्या का रूप ले चुकी है।

ऊंचे वैट का बोझ और सीमित राहत

राजस्थान में मौजूदा समय में पेट्रोल पर 29.04% और डीजल पर 17.30% वैट लागू है। मार्च 2024 में प्रदेश की भाजपा सरकार ने पेट्रोल और डीजल दोनों पर 2% वैट घटाया था। उस समय इसे जनता के लिए एक बड़ी राहत के रूप में प्रस्तुत किया गया था। लेकिन वास्तविकता यह है कि इस कदम से उपभोक्ताओं को बहुत सीमित राहत मिली। राज्य सरकार के खजाने पर इस फैसले से करीब 1500 करोड़ रुपए का भार पड़ा। हालांकि इस कमी से आम जनता को कुछ राहत जरूर मिली, लेकिन पेट्रोल और डीजल की कीमतें अभी भी पड़ोसी राज्यों से काफी अधिक हैं। उदाहरण के तौर पर, अलवर से सटे हरियाणा के नौगांव में पेट्रोल 10.88 रुपए सस्ता और डीजल 3.75 रुपए सस्ता मिल रहा है। यह अंतर इतना बड़ा है कि उपभोक्ता आसानी से सीमापार से ईंधन खरीदने के लिए तैयार हैं।

सीमावर्ती जिलों में तस्करी की 'अर्थव्यवस्था'

राजस्थान के करीब 12 से अधिक जिले ऐसे हैं जहां ईंधन तस्करी की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। इनमें अलवर, झुंझुनूं, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, बांसवाड़ा, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़ और झालावाड़ जैसे इलाके प्रमुख हैं। इन क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर एक पूरी "तस्करी चेन" सक्रिय है — सीमापार से सस्ते दामों पर पेट्रोल-डीजल लाया जाता है, फिर स्थानीय स्तर पर खुलेआम बेचा जाता है। यह तस्करी अब व्यक्तिगत स्तर की नहीं रही, बल्कि 'संगठित अर्थव्यवस्था' का रूप ले चुकी है। इसमें कुछ स्थानीय पेट्रोल पंप मालिकों, छोटे ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों और स्थानीय माफियाओं की मिलीभगत की भी आशंका जताई जा रही है। इसका असर न केवल राज्य के राजस्व पर पड़ रहा है, बल्कि ईंधन की गुणवत्ता और सुरक्षा पर भी सवाल उठ रहे हैं।

सुरक्षा और जन-हित का मुद्दा

तस्करी किए गए ईंधन का अवैध भंडारण अब गांव-शहरों के बीच आम बात बन गया है। कई जगह सड़क किनारे या मकानों में ही ईंधन जमा कर बेचा जा रहा है। ऐसे भंडारण में सुरक्षा मानकों का कोई पालन नहीं होता। एक छोटी सी चिंगारी या लापरवाही से बड़ा हादसा हो सकता है। इस प्रकार, ईंधन की ऊंची कीमतें अब सिर्फ उपभोक्ता की जेब का मामला नहीं, बल्कि जन-सुरक्षा और जन-हित का सवाल बन चुकी हैं।

राजस्व का नुकसान और आर्थिक असंतुलन

राज्य सरकार को इस अंतरराज्यीय मूल्य असमानता के कारण करीब 290 करोड़ रुपए सालाना का राजस्व नुकसान हो रहा है। इसका कारण है – जो पेट्रोल-डीजल राज्य में खपत के रूप में दिखना चाहिए, वह पड़ोसी राज्यों से अवैध रूप में लाया जा रहा है। राज्य सरकार का तर्क यह है कि वैट में बड़ी कमी से राजस्व पर असर पड़ेगा और विकास योजनाओं के लिए धन की कमी होगी। लेकिन आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि यह तर्क अब पुराना हो चुका है। अगर राज्य वैट घटाता है तो ईंधन बिक्री का वैध व्यापार बढ़ेगा, जिससे वसूली भी बढ़ेगी और राजस्व हानि की भरपाई संभव होगी। उल्टा, ऊंचे टैक्स के कारण जो बिक्री अवैध रूप से बाहर चली जाती है, उससे राज्य को दोहरा नुकसान होता है — न जनता खुश रहती है, न राजस्व बढ़ता है।

पड़ोसी राज्यों की नीति: प्रतिस्पर्धात्मक असमानता

पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर राज्यों का नियंत्रण मुख्य रूप से वैट दरों के जरिए होता है। गुजरात में पेट्रोल पर लगभग 22% और डीजल पर 13% टैक्स है। हरियाणा में यह क्रमशः 24.5% और 14% है। पंजाब में भी टैक्स दरें राजस्थान से कम हैं। इस असमानता का असर सीधे-सीधे राजस्थान के बाजार पर पड़ता है। सीमावर्ती जिलों के उपभोक्ता जहां सस्ता ईंधन पाने के लिए दूसरे राज्यों में जाते हैं, वहीं पेट्रोल पंप मालिकों की बिक्री घट रही है। इस वजह से कई छोटे पंप व्यवसायिक घाटे में चल रहे हैं।

वैट में कमी से संभावित लाभ

अगर राजस्थान सरकार वैट में 3-4% की और कटौती करती है, तो इसके कई सकारात्मक प्रभाव देखने को मिल सकते हैं—

जनता को राहत: पेट्रोल और डीजल की कीमतें घटने से परिवहन लागत कम होगी, जिससे महंगाई पर भी अंकुश लगेगा।
राजस्व में सुधार: वैध बिक्री बढ़ेगी, जिससे टैक्स संग्रह में पारदर्शिता और स्थिरता आएगी। तस्करी पर अंकुश: सीमावर्ती इलाकों में अवैध व्यापार घटेगा, जिससे कानून-व्यवस्था मजबूत होगी। व्यापारिक प्रतिस्पर्धा में समानता: राज्य के पेट्रोल पंपों को भी समान अवसर मिलेगा, जिससे रोजगार और स्थानीय निवेश को बढ़ावा मिलेगा।
जन-विश्वास में वृद्धि: जनता को महसूस होगा कि सरकार उनकी वास्तविक समस्याओं को समझ रही है और संवेदनशील है।

सामाजिक दृष्टिकोण से क्यों जरूरी है वैट में कटौती

आज जब पेट्रोल-डीजल सिर्फ गाड़ियों का ईंधन नहीं, बल्कि जीवन-शैली और आजीविका का आधार बन चुका है, तब इसकी कीमतें सीधे हर वर्ग के जीवन को प्रभावित करती हैं। किसान के लिए ट्रैक्टर का ईंधन महंगा होगा तो खेती की लागत बढ़ेगी। ट्रक या बस ऑपरेटर के लिए डीजल महंगा होगा तो यात्री किराया और मालभाड़ा बढ़ेगा। शहरों में टैक्सी, ऑटो और डिलीवरी सेवाओं के लिए यह रोज़मर्रा की चुनौती बन चुकी है। इसलिए अब यह सवाल सिर्फ "राजस्व बनाम राहत" का नहीं, बल्कि "आर्थिक बनाम सामाजिक संतुलन" का है। जब सीमावर्ती जिले तस्करी के अड्डे बन जाएं और जनता सस्ता ईंधन पाने के लिए कानून तोड़ने पर मजबूर हो जाए, तब वैट नीति को "संवेदनशील सामाजिक नीति" की तरह देखना आवश्यक हो जाता है।

वैट नीति में सुधार की दिशा

राज्य सरकार के सामने कुछ व्यावहारिक कदम हैं जो उसे संतुलित नीति की ओर ले जा सकते हैं— क्षेत्रीय मूल्य-संतुलन नीति: सीमावर्ती जिलों में विशेष वैट राहत दी जा सकती है ताकि वहां प्रतिस्पर्धात्मक असमानता कम हो।

दृष्टिकोण : सोशल मीडिया से 'तुलना' का रोग बढ़ा

-खुद से मुकाबला असली जीत, तुलना सिर्फ हार दिलाती है

जीवन एक निरंतर चलने वाली यात्रा है, जिसमें हर इंसान आगे बढ़ने, कुछ हासिल करने और अपनी पहचान बनाने की कोशिश करता है। लेकिन इस यात्रा में सबसे बड़ी भूल जो आज की पीढ़ी कर रही है, वह है – दूसरों से अपनी तुलना करना। यह प्रवृत्ति अब केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक "मानसिक रोग" बन चुकी है, जिसकी जड़ें गहराई तक हमारी सोच और जीवनशैली में पैठ बना चुकी हैं। सोशल मीडिया ने इस रोग को और बढ़ा दिया है, जहां हर दिन हमें किसी की नई सफलता, आलीशान जिंदगी या दिखावटी मुस्कान देखने को मिलती है।

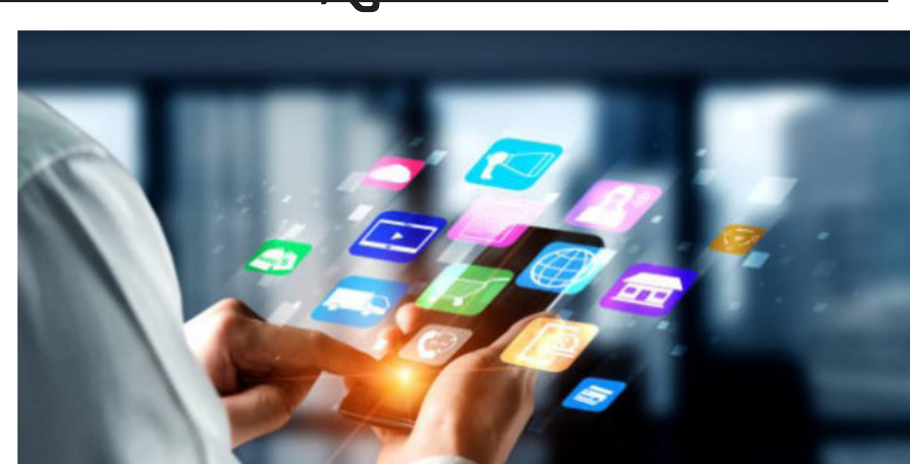

सोशल मीडिया की चमक और तुलना का ज़हर

आज इंस्टाग्राम, फेसबुक, यूट्यूब, स्नैपचैट जैसे प्लेटफॉर्म्स पर हर कोई अपनी "बेस्ट झलक" दुनिया को दिखाता है।

लेकिन यह सच का पूरा चेहरा नहीं होता। किसी की हंसी के पीछे थकावट हो सकती है, किसी की सफलता के पीछे संघर्ष और आँसू छिपे होते हैं। फिर भी हम वही देखते हैं जो कैमरे के सामने है — और यहीं से शुरू होती है "तुलना की बीमारी।"

हम सोचते हैं — "उसकी लाइफ इतनी परफेक्ट क्यों लगती है?" "उसके पास इतना सब कुछ कैसे है?" "मैं इतना पीछे क्यों हूं?" यही सवाल हमें भीतर से तोड़ते हैं। धीरे-धीरे यह आदत हमारी खुशी छीन लेती है और हमें अपने जीवन से असंतुष्ट बना देती है।

तुलना से पैदा होती है अधीरता और आत्मसंदेह

जब कोई व्यक्ति लगातार दूसरों से अपनी तुलना करता है, तो उसके मन में अधीरता (impatience) और आत्मसंदेह (self-doubt) घर कर लेते हैं। वह यह भूल जाता है कि हर इंसान का जीवन अलग परिस्थितियों, अवसरों और सीमाओं में ढला होता है। किसी के पास बेहतर साधन हैं, तो किसी के पास बेहतर समय। किसी की शुरुआत पहले हुई, तो किसी का संघर्ष अधिक लंबा है। लेकिन हम इन सब बातों को नजरअंदाज कर सिर्फ नतीजे देखते हैं। यह वैसा ही है जैसे आम और सेब की तुलना करना — दोनों अलग हैं, अपनी-अपनी विशेषताओं के साथ। इसी तरह हम सबकी पहचान और सफलता की परिभाषा भी अलग है।

तुलना की जड़ें बचपन से

यह आदत अचानक नहीं आती। हमारे समाज में बचपन से ही तुलना की बुनियाद रख दी जाती है।

स्कूल में कहा जाता है — "देखो, शर्मा जी का बेटा फर्स्ट आया है, तुम क्यों नहीं?" "पड़ोसी की बेटी कितनी आज्ञाकारी है, तुम क्यों नहीं बन सकते वैसे?" धीरे-धीरे यह मानसिकता गहरी होती चली जाती है।

हम हर चीज़ में दूसरों से मापने लगते हैं — हमारा रिजल्ट, नौकरी, तनख्वाह, गाड़ी, घर, शादी, यहां तक कि हमारी खुशी भी।

तुलना के दुष्परिणाम: अंदरूनी अशांति और अवसाद

तुलना का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि यह मन की शांति को खत्म कर देती है। जो हमारे पास है, उसमें संतोष नहीं रह पाता। हम लगातार दूसरों की तरफ देखते रहते हैं और खुद को 'कमतर' महसूस करते हैं। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, सोशल मीडिया की अत्यधिक तुलना डिप्रेशन, एंग्जायटी और कम आत्मविश्वास जैसी समस्याओं को बढ़ाती है। जब हम किसी और की सफलता देखकर खुद को असफल मान लेते हैं, तो यह आत्मसम्मान को चोट पहुँचाता है। धीरे-धीरे यह मानसिक थकान में बदल जाता है, और व्यक्ति अपनी असली पहचान से दूर होने लगता है।

तुलना नहीं, प्रेरणा लें

जरूरी यह नहीं कि हम दूसरों को देखकर खुद को नीचा समझें। जरूरी यह है कि हम दूसरों की सफलता से प्रेरणा लें, न कि हीन भावना। अगर किसी ने कुछ बड़ा किया है, तो वह यह प्रमाण है कि "यह संभव है।" उससे सीखें, उसके अनुभवों को समझें, लेकिन यह न सोचें कि "मैं वैसा क्यों नहीं हूं।" हर इंसान का रास्ता अलग है — किसी की मंज़िल जल्दी आती है, किसी की देर से, लेकिन आती जरूर है।

खुद से मुकाबला ही असली जीत है

जीवन में असली प्रतिस्पर्धा किसी और से नहीं, खुद से होती है। आज आप कल से बेहतर बन पाए — यही सफलता है। अगर कल आपने 10 कदम चले और आज 11 चले, तो आपने जीत हासिल की। जो व्यक्ति हर दिन खुद को थोड़ा-थोड़ा सुधारता है, वह किसी भी बड़े लक्ष्य तक पहुंच सकता है। क्योंकि जब प्रतिस्पर्धा खुद से होती है, तो उसमें ईर्ष्या नहीं, बल्कि विकास की भावना होती है।

तुलना छोड़कर आत्ममूल्य बढ़ाने के तरीके

कृतज्ञता (Gratitude) अपनाएं: हर दिन उन चीजों को याद करें जिनके लिए आप शुक्रगुज़ार हैं — परिवार, सेहत, शिक्षा, मित्र, अनुभव। जब हम आभार जताते हैं, तो हमें अपनी दौलत का एहसास होता है।

सोशल मीडिया पर सीमाएं तय करें: हर दिन घंटों दूसरों की लाइफ स्क्रॉल करने से बेहतर है कि आप अपने लक्ष्य पर ध्यान दें। कोशिश करें कि सोशल मीडिया को "सूचना का माध्यम" बनाएं, न कि "तुलना का मंच।"

स्वयं के लक्ष्य तय करें: जो काम आप करना चाहते हैं, वह अपने मन से करें, न कि दूसरों की नकल में।

अपने लक्ष्य को छोटा रखें लेकिन सच्चा रखें।

खुद को सराहना सीखें: छोटी-छोटी उपलब्धियों पर खुद को शाबाशी दें। यह आत्मविश्वास बढ़ाने का सबसे सशक्त तरीका है।

धैर्य रखें: हर चीज़ समय लेती है — चाहे वह सफलता हो या आत्मविकास। दूसरों की रफ्तार देखकर अपना संतुलन न खोएं।

सफलता का असली मापदंड

सफलता का अर्थ केवल पैसा या प्रसिद्धि नहीं है। सफलता का मतलब है — शांति, संतोष और आत्मविश्वास।

अगर कोई व्यक्ति अपनी जिंदगी से खुश है, अपने काम में समर्पित है और अपने अंदर संतुलन बनाए रखता है, तो वही सच में सफल है। दूसरों की चमकती तस्वीरें सिर्फ उनका "मंच" दिखाती हैं, "मंच के पीछे" का संघर्ष नहीं। इसलिए सफलता को केवल दिखावे के आधार पर न तोलें। कई बार हम अपने जीवन में 'परफेक्ट' बनने की कोशिश में खुश रहना भूल जाते हैं। लेकिन सच्चाई यह है कि परफेक्शन एक मरीचिका (illusion) है — जो कभी पूरी तरह हासिल नहीं होती।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ने सुशासन और परिणाम आधारित कार्यसंस्कृति के नए मानक किए स्थापित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ने सुशासन, जनकल्याण और परिणाम आधारित कार्यसंस्कृति के नए मानक स्थापित किए हैं। राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से जनकल्याणकारी नीतियों एवं योजनाओं के धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्रदेश वर्ष 2024-25 के दौरान 11 राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं में पहला स्थान प्राप्त करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं में देश के शीर्ष राज्यों में शामिल रहा।

स्वास्थ्य से लेकर जनकल्याण तक देशभर में राजस्थान बन रहा सिरमौर—

शर्मा के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के आयोजन में राजस्थान पूरे देश में शीर्ष स्थान पर रहा। केन्द्र सरकार के आयुष मंत्रालय के 'योगा संगम पोर्टल' के अनुसार राज्य ने 62 हजार 915 स्थलों पर 85 लाख 31 हजार 185 प्रतिभागियों के साथ पूरे भारत में प्रथम स्थान पर रहा। वहीं, अंगदान को बढ़ावा देने तथा अंग व प्रत्यारोपण में उभरते हुए राज्य के रूप में राजस्थान को वर्ष 2025 के लिए प्रथम स्थान के साथ राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है।

सितम्बर 2025 में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जारी रैंकिंग में पहले स्थान के साथ ही पोषण पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयोजित गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश शीर्ष पर रहा है। इसी तरह, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ 2025) के तहत 2.18 करोड़ पॉलिसियां जारी कर राजस्थान देश में प्रथम है। कृषि क्षेत्र में डिजिटल क्रांति की संवाहक बन रही फार्मर रजिस्ट्री योजना में पीएम किसान लाभार्थियों की आईडी बनाने में प्रतिशत के आधार पर राजस्थान ने वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम रैंक प्राप्त की। स्वच्छ भारत मिशन (ग्राम्य) के 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025' के अंतर्गत स्वच्छता लक्षित इकाइयों को रूपांतरित करने में राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान ने प्रथम स्थान पर है। साथ ही, अक्षय एवं सौर ऊर्जा क्षमता स्थापना में राजस्थान पीएम कुसुम योजना कंपोनेंट-ए में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान पर रहा है। वर्ष 2024 के लिए पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित फिट इंडिया फ्रीडम रन एवं विकसित भारत संकल्प यात्रा

में राजस्थान देशभर में प्रथम स्थान पर रहा। फिट इंडिया फ्रीडम रन में देश में आयोजित 10 हजार 443 कार्यक्रमों में से 6 हजार 202 कार्यक्रम आयोजित कर राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा। वहीं, विकसित भारत संकल्प यात्रा में राज्य ने 11 हजार 209 कैंपों के आयोजन एवं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 5.94 लाख गैस कनेक्शन जारी करके देश में प्रथम स्थान हासिल किया।

पीएम विश्वकर्मा योजना में द्वितीय स्थान, कृषि में डिजिटल परिवर्तन हेतु रजत पुरस्कार—

राजस्थान हर घर तिरंगा कार्यक्रम 2025 में पंजीकृत वालंटियर एवं मीडिया अपलोड श्रेणी, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के घटक पर ड्रॉप मोर क्रॉप के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 1.31 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में माइक्रो इरिगेशन सिस्टम की स्थापना, पोषण माह 2025 के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों एवं पीएम विश्वकर्मा योजना में ऋण स्वीकृति एवं वितरण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान द्वितीय स्थान पर है। वहीं, कृषि विभाग में सरकारी प्रक्रियाओं में डिजिटल परिवर्तन हेतु राष्ट्रीय ई-गवर्नेन्स रजत पुरस्कार (द्वितीय स्थान) भी हासिल किया है।

लॉजिस्टिक इकोसिस्टम में अग्रणी बन रहा प्रदेश—

केन्द्र सरकार द्वारा लॉजिस्टिक इकोसिस्टम को मजबूत करने एवं लॉजिस्टिक दक्षता में सुधार के लिए जारी किए जाने वाली लीड्स रिपोर्ट में राजस्थान को बेस्ट परफॉर्मर 2024 के अवार्ड से नवाजा गया। वहीं, जनजाति कल्याण, सशक्तिकरण एवं समावेशी विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए धरती आबा जनभागीदारी अभियान के अंतर्गत बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट के रूप में सम्मानित किया गया।

राजभवन में 15 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया

-राज्यपाल ने विभिन्न राज्यों के लोगों से किया संवाद

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजभवन में शनिवार को 1 नवंबर को गठित होने वाले 8 राज्यों आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, पंजाब और तमिलनाडु तथा 5 केंद्र शासित प्रदेशों अंडमान और निकोबार द्वीप, चंडीगढ़, दिल्ली, लक्षद्वीप और पुडुचेरी का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 31 अक्टूबर को गठित होने वाले केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू और कश्मीर और लद्दाख का स्थापना दिवस भी मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस अवसर इन राज्यों के राजस्थान में निवास करने वाले लोगों को बधाई और शुभकामना दी। उन्होंने राज्यों के इतिहास और संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य स्थापना दिवस देश की सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं का आलोक है। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता से जुड़े हमारे राज्य एक भारत श्रेष्ठ भारत का साकार रूप है। राज्यपाल ने इस दौरान विभिन्न राज्यों के निवासियों से संवाद भी किया और कहा कि हरेक राज्य अपनी सांस्कृतिक और भौगोलिक विशेषता में भारत की निधि है। विभिन्न राज्यों के निवासियों ने राज्यपाल का आभार जताते हुए अभिनंदन किया। राज्यपाल ने भाषाई आधार पर राज्यों के गठन को महत्वपूर्ण बताते हुए राज्यों के निवासियों को राजस्थान के विकास में अपना योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी और प्रमुख विशेषाधिकारी राजकुमार सागर भी उपस्थित रहे।

गहलोत की सलाह भजनलाल को – कल की चिंता छोड़ो

-पूरी ऑथोरिटी से राज करो तो राजस्थान का भला होगा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को बिना कल की चिंता किए पूरे अधिकार और आत्मविश्वास

के साथ शासन चलाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि भजनलाल पहली बार विधायक बने और सीधे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे हैं, इसलिए उन्हें अब किसी डर या असमंजस में पड़े बिना पूरी ऑथोरिटी से राज करना चाहिए। अगर वे ऐसा करेंगे, तो राजस्थान का भला होगा और जनता को सुशासन मिलेगा। जयपुर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत करते हुए गहलोत ने कहा, "हमारे भजनलाल पंडित हैं, वे कल की चिंता करते रहते हैं। हम उनको कहते हैं कि आप कल की चिंता मत करो, आज जमकर काम करो। ऑथोरिटी से राज करो, तभी राजस्थान का भला होगा। अगर आप गुड गवर्नेंस देंगे तो जनता खुश रहेगी।" गहलोत ने कहा कि मुख्यमंत्री सब कुछ अकेले नहीं कर सकते, लेकिन सिस्टम में समन्वय बनाना उनका काम होता है। उन्होंने कहा कि भजनलाल भले आदमी हैं, पर अब उन्हें राजनीतिक दबावों से ऊपर उठकर प्रशासनिक निर्णय लेने होंगे। गहलोत ने कहा, "सरकार तभी मजबूत होती है जब मुख्यमंत्री आत्मविश्वास से फैसले लेता है। हर काम में दूसरों की राय या मंजूरी का इंतज़ार करने से प्रशासन कमजोर पड़ता है।" राज्य में चल रही स्लीपर बस हड़ताल पर भी गहलोत ने सरकार को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में संवाद सबसे अहम होता है। "हमारे समय में भी ऐसी समस्या आई थी, लेकिन हमने बस ऑपरेटरों को बुलाकर बातचीत की थी, हल निकाला और हड़ताल की नौबत नहीं आई। आज सरकार को भी यही करना चाहिए — बात करें, समझाएं और रास्ता निकालें।" पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता की तकलीफों को कम करना सरकार की जिम्मेदारी होती है। अगर आम लोगों को परिवहन सुविधा न मिले, तो इसका सीधा असर अर्थव्यवस्था और सामाजिक जीवन पर पड़ता है। उन्होंने कहा, "सरकार को चाहिए कि वह जल्द समाधान करे, क्योंकि जनता को राहत देना ही असली राजनीति है।" गहलोत ने भजनलाल शर्मा को यह संदेश दिया कि अगर वे बिना डर के, पूरे अधिकार से शासन चलाएंगे और जनता के हित में काम करेंगे, तो राजस्थान निश्चित रूप से आगे बढ़ेगा।

विवाह आमंत्रण के नाम पर साइबर जाल - आमंत्रण.apk से हो सकता है मोबाइल हैक

-शादियों के सीजन में साइबर ठग भेज रहे हैं नकली ई-निमंत्रण लिंक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर साइबर अपराधों को रोकने के लिए पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा के निर्देशानुसार राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम शाखा ने आमजन को एक गंभीर साइबर खतरे के प्रति आगाह किया है। विवाह-शादी के इस सीज़न में साइबर ठग सोशल मीडिया, व्हाट्सएप और ईमेल के माध्यम से ई-निमंत्रण और गिफ्ट लिंक के बहाने एक खतरनाक जाल बिछा रहे हैं। इस चेतावनी का उद्देश्य साइबर अपराधों पर अंकुश लगाना है।

उप महानिरीक्षक पुलिस साइबर क्राइम विकास शर्मा ने बताया कि अपराधी एक फर्जी एपीके फाइल जिसका नाम अक्सर आमंत्रण.apk होता है, साझा कर रहे हैं। उपयोगकर्ता जैसे ही शादी के आमंत्रण या लोकेशन लिंक समझकर इस पर क्लिक करते हैं, यह एप्लिकेशन मोबाइल में इंस्टॉल हो जाता है। यह कोई साधारण ऐप नहीं बल्कि एक बैकडोर मैलवेयर है, जो डिवाइस को हैक कर लेता है।

एक बार इंस्टॉल होने के बाद यह मैलवेयर चुपके से एसएमएस, संपर्क सूची, कैमरा और फाइल एक्सेस जैसी संवेदनशील अनुमतियां प्राप्त कर लेता है। इसके बाद यह गुप्त रूप से उपयोगकर्ता की व्यक्तिगत जानकारी, बैंकिंग डिटेल्स, ओटीपी और पासवर्ड को एकत्रित करना शुरू कर देता है। साइबर अपराधी इसी चोरी किए गए डेटा का उपयोग करके बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी को अंजाम दे रहे हैं, जिससे आमजन की गाढ़ी कमाई खतरे में पड़ रही है।

पुलिस ने दी ये 5 महत्वपूर्ण सुरक्षा सलाह—

साइबर क्राइम शाखा ने आमजन से अपील की है कि वे किसी भी संभावित नुकसान से बचने के लिए इन सुरक्षा उपायों का कड़ाई से पालन करें—

- किसी भी ई-निमंत्रण या गिफ्ट लिंक पर क्लिक करने से पहले भेजने वाले की पहचान सुनिश्चित करें।

मोबाइल सेटिंग्स में Install from unknown sources विकल्प को तुरंत Disabled करें।

हमेशा केवल गूगल प्ले स्टोर या एप्पल ऐप स्टोर जैसे अधिकृत ऐप स्टोर से ही एप्लिकेशन डाउनलोड करें।

अपने मोबाइल में एक विश्वसनीय एंटीवायरस या मोबाइल सिक्योरिटी एप्लिकेशन का उपयोग करें।

शिकायत दर्ज करने के लिए संपर्क करें—

यदि आप इस प्रकार की धोखाधड़ी का शिकार होते हैं, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सहायता के लिए साइबर हेल्प लाईन नम्बर 1930 पर कॉल करें या https://cybercrime.gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए पुलिस मुख्यालय के हेल्पडेस्क नंबर 9256001930 या 9257510100 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज का भव्य नि:शुल्क वैवाहिक सम्मेलन सम्पन्न

सांगानेर (रॉयल पत्रिका)। गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा गांव गवार, सांगानेर (जयपुर) में एक निःशुल्क वैवाहिक सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की आयोजन समिति के अध्यक्ष अरुण थावलया, मंत्री अशोक गालरिया और कोषाध्यक्ष अभिनन्दन एवं हनुमान रहे, जिनके कुशल मार्गदर्शन में यह आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य श्री राजानंद शास्त्री के करकमलों द्वारा दीप प्रज्वलन और वैदिक मंत्रोच्चार से हुआ। अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में आचार्य श्री ने कहा कि "ब्राह्मणों की संस्थाएँ भले अनेक हों, पर हम सभी एक हैं। समाज की उन्नति के लिए ऐसे आयोजनों को निरंतर आगे बढ़ाया जाना चाहिए।" उन्होंने समाज की एकता, संस्कारों के संरक्षण और आपसी सहयोग पर विशेष बल दिया तथा आग्रह

किया कि ऐसे वैवाहिक सम्मेलन निरंतर आयोजित होते रहें, ताकि समाज के युवाओं को संस्कारित जीवनसाथी मिल सके।

आचार्य श्री ने आयोजन समिति को अयोध्या धाम और हनुमानगढ़ी मंदिर का प्रतीक स्वरूप भेट किया और श्रीरामलला एवं हनुमानगढ़ी का दुपट्टा पहनाकर वर-वधू को आशीर्वाद दिया। उन्होंने प्रभु श्रीराम से सभी युगलों के सुखमय जीवन की कामना की।

कार्यक्रम का मंच संचालन बृजेश जोड़ली ने अपने जोशिले और प्रभावशाली अंदाज़ में किया, जिसे उपस्थित समाजबंधुओं ने खूब सराहा।

इस अवसर पर अजमेर, किशनगढ़, बीकानेर, निवाई और टोंक रोड समिति सहित कई स्थानों से गणमान्य समाजसेवी और पदाधिकारी उपस्थित रहे। सम्मेलन में कुल 11 जोड़ों ने सहभागिता की और अपने जीवनसाथी चयन की दिशा में आगे बढ़े। यह आयोजन समाज की एकता, संस्कार और सहयोग भावना का जीवंत प्रतीक बना।

वामन देव मंदिर में धूमधाम से मनाई गई वामन दीपावली

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। कस्बे के वामनदेव मोहल्ले स्थित प्राचीन वामन देव मंदिर में देवउठनी एकादशी के उपलक्ष्य में शनिवार को वामन दीपावली

हर्षोल्लास एवं धार्मिक श्रद्धा के साथ मनाई गई। सुबह से ही श्रद्धालुओं का मंदिर में तांता लगा रहा। घरों एवं मंदिर परिसर में पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित कर रोशनी की गई। पुजारी नरोत्तम शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर वामन भगवान का अलौकिक श्रृंगार किया गया। मंदिर को इलेक्ट्रॉनिक लाइटों एवं पारंपरिक सजावट से भव्य रूप प्रदान किया गया। दोपहर में महिलाओं ने मंगल गीत गाए, वहीं शाम ढलते ही रंग-बिरंगे दीपों से मंदिर परिसर जगमगाने लगा। धार्मिक उत्साह से ओतप्रोत महिलाओं ने हिन्द शास्त्रों के अनुसार चार माह से सोए देवताओं का विधिपूर्वक जागरण कर पूजा-अर्चना की। इसके बाद महिलाएं समूह में गीत गाती हुई मंदिर पहुंचीं। शाम 6 बजे महाआरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में भक्तों ने शामिल होकर जयकारों, भजन और कीर्तन के साथ माहौल को भक्तिमय बना दिया।

राजस्थान VDO भर्ती परीक्षा: जींस में एंट्री की अनुमति

-पहली बार एक पारी में होगी परीक्षा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में ग्राम विकास अधिकारी (VDO) भर्ती परीक्षा का आयोजन 2 नवंबर को किया जाएगा। इस परीक्षा के माध्यम से कुल 850 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए राज्यभर से लगभग 5 लाख 40 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। यानी कि एक पद के लिए लगभग 635 अभ्यर्थियों के बीच प्रतिस्पर्धा होगी। इस बार राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने परीक्षा प्रणाली में कई बदलाव किए हैं। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि पहली बार परीक्षा एक ही पारी में आयोजित की जाएगी। इससे अभ्यर्थियों को नॉर्मलाइजेशन की प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी जटिलता या असमानता का सामना नहीं करना पड़ेगा। बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज ने बताया कि यह निर्णय परीक्षा प्रक्रिया को और पारदर्शी एवं सरल बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। इसके अलावा, ड्रेस कोड को लेकर भी बोर्ड ने नई गाइडलाइन जारी की है। पहले जहां जींस पहनने पर रोक थी, वहीं अब परीक्षा केंद्र अधीक्षक की अनुमति से जींस की पैंट पहनकर भी अभ्यर्थी परीक्षा दे

सकेंगे। यह निर्णय इसीलिए लिया गया है ताकि ड्रेस कोड के कारण किसी उम्मीदवार को परीक्षा से वंचित न होना पड़े। परीक्षा से संबंधित लोकेशन और दिशा-निर्देश के लिए बोर्ड ने तकनीकी सुविधा भी शुरू की है। छह जिलों के अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड के साथ एक विशेष लिंक जारी किया गया है। इस पर क्लिक कर अभ्यर्थी अपने परीक्षा केंद्र की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। हालांकि अभी गूगल लोकेशन और परीक्षा केंद्र के मुख्य द्वार की तस्वीरें पूरी तरह अपलोड नहीं हो पाई हैं। फिर भी, वेबसाइट पर बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन से परीक्षा केंद्र तक पहुंचने की दिशा, और अन्य आवश्यक जानकारी दी गई है। परीक्षा सुबह 11 बजे से शुरू होगी, ताकि दूरदराज के इलाकों से आने वाले उम्मीदवारों को समय पर पहुंचने में आसानी हो और उन्हें सुबह जल्दी निकलने की हड़बड़ी न करनी पड़े। इस बार परीक्षा व्यवस्था में किए गए ये बदलाव उम्मीदवारों के लिए निश्चित रूप से राहतभरे और उपयोगी साबित होंगे।

राजस्थान में स्लीपर कोच बसों का चक्का जाम

-सरकार को 10 करोड़ का राजस्व नुकसान

जयपुर। राजस्थान में निजी स्लीपर कोच बसों की शुक्रवार को पूर्ण हड़ताल रही। पूरे राज्यभर में बसों के पहिए थम जाने से लगभग 25,000 यात्री अपनी यात्रा से वंचित रहे। निजी बस संचालकों की हड़ताल से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (RSRTC) भी यात्रियों को वैकल्पिक सेवा देने में असमर्थ रहा। बस ऑपरेटर एसोसिएशन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सत्य नारायण साहू ने बताया कि सरकार की हठधर्मिता के चलते स्लीपर कोच संचालक मजबूरी में चक्का जाम पर उतरे हैं। उन्होंने कहा कि स्लीपर कोच बसों के बंद रहने से आज ही सरकार को करीब 10 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ है। इसमें डीजल पर लगने वाला

वैट,टोल टैक्स से होने वाली आय (लगभग ₹5 प्रति किलोमीटर),तथा यात्रियों द्वारा दिए जाने वाले 5% जीएसटी का हिस्सा तीनों ही प्रभावित हुए हैं।

साहू ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द वार्ता कर समाधान नहीं निकाला, तो यह नुकसान प्रति दिन बढ़ता जाएगा।संगठन के अनुसार, बस संचालक सरकार से स्लीपर कोच के परमिट नियमों और टैक्स ढांचे में राहत की मांग कर रहे हैं।

"हम चाहते हैं कि सरकार संवाद करे, समस्या का समाधान निकाले, ताकि जनता को असुविधा न हो और राज्य का राजस्व भी बच सके।"

नगर में श्वानों का आतंक 16 लोग बने शिकार

मनोहरपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर में आवारा श्वानों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। पिछले दो दिनों में करीब 16 लोगों को श्वानों ने काट खाया, जिससे लोगों में दहशत का माहौल है। शुक्रवार को ही 11 लोगों को घायल अवस्था में मनोहरपुर CHC लाया गया, जहां सभी का प्राथमिक उपचार किया गया। जानकारी अनुसार दिनांक 31 अक्टूबर को धर्मेन्द्र 22 साल मनोहरपुर, रामेश्वर 50 साल, गुड्डी 40 साल, निर्मल 35 साल, छोटी लाल 30 साल देव का हारवाड़ा 1 नवंबर को पंचूराम 60 वर्ष मनोहरपुर वर्ष 15 वर्ष मनोहरपुर तंगीश खान 20 वर्ष, रामवीर 18 वर्ष, चांद मोहम्मद 36 वर्ष, भारत 24 वर्ष सलीम 60 वर्ष कुलदीप 40 वर्ष कालूराम 70 वर्ष मदन 23 साल व लाली देवी 57 वर्ष छारसा को श्वान ने काटकर घायल किया। क्षेत्र में श्वान ने पहले सुबह 5 लोगो को और शाम को 6 लोगो को 11 लोगों श्वान ने काटकर घायल कर दिया। इससे पूर्व 5 लोगो को काटकर घायल

कर दिया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि पालिका प्रशासन पूरी तरह लापरवाह है, न तो पिंजरे की व्यवस्था है, न ही समय पर श्वानों को पकड़ा जा रहा है। पालिका कर्मी दो घंटे से उस खूंखार श्वान को ढूंढने में जुटे रहे, जिसे बाद में आबादी क्षेत्र से बाहर भगाया गया। ज्ञात रहे कि पालिका ने पूर्व में श्वान बंध्याकरण और टीकाकरण शिविर आयोजित करने का दावा किया था, लेकिन ज़मीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। नगर में श्वानों के झुंड खुलेआम गलियों में घूम रहे हैं और अब तक कई बार लोगों को घायल कर चुके हैं। ग्रामीणों ने पालिका से तत्काल कार्रवाई कर श्वानों के आतंक से राहत दिलाने की मांग की है। नगरवासियों में प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश व्याप्त है।

CBI का बड़ा एक्शन: कस्टम अफसर रतिराम मीना के ठिकानों पर छापा

-करोड़ों की बेनामी संपत्ति और लग्जरी शौक का खुलासा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (CBI) ने शनिवार को राजस्थान, गुजरात और दिल्ली में एक बड़े ऑपरेशन को अंजाम देते हुए कस्टम विभाग के अफसर रतिराम मीना के कई ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई जयपुर, अहमदाबाद और अंकलेश्वर में एक साथ की गई, जिसमें CBI को करोड़ों रुपए की बेनामी प्रॉपर्टी, ज्वेलरी, लग्जरी गाड़ियां और महंगी नस्ल के कुत्ते तक मिले। CBI सूत्रों के अनुसार, रतिराम मीना साल 2018 से 2025 तक जयपुर और अहमदाबाद में CGST के असिस्टेंट कमिश्नर के पद पर तैनात रहे। फिलहाल वह जैसलमेर में सहायक कस्टम आयुक्त के रूप में कार्यरत हैं। जांच एजेंसी को शिकायत मिली थी कि मीना ने अपनी सरकारी सेवा के दौरान आय से कई गुना अधिक संपत्ति अर्जित की है। शिकायत के आधार पर टीम ने छापा मारा और कई अहम दस्तावेज जब्त किए। छापे के दौरान अधिकारियों

को पत्नी और बेटे के नाम से बनी कई फर्मों के कागजात मिले, जिनके जरिए काली कमाई को वैध दिखाया जा रहा था। इसके अलावा, महंगे विदेशी नस्ल के डॉग्स, लग्जरी गाड़ियां, कीमती घड़ियां और ब्रांडेड सामान भी बरामद हुआ है। टीम ने घर से दो लॉकरों की चाबियां, नकदी और सोने के जेवरात भी जब्त किए हैं। CBI का कहना है कि शुरुआती जांच में रतिराम मीना और उनके परिवार की संपत्ति का मूल्य उनकी वैध आय से कई गुना अधिक है। एजेंसी ने उनके खिलाफ आय से अधिक संपत्ति (Disproportionate Assets) का मामला दर्ज कर लिया है। छापेमारी के बाद अब CBI मीना की फर्मों और निवेश से जुड़े बैंक खातों की जांच कर रही है। एजेंसी ने यह भी संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में और भी खुलासे हो सकते हैं, क्योंकि अब इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस और डिजिटल रिकॉर्ड की फॉरेंसिक जांच शुरू की गई है। इस कार्रवाई से कस्टम विभाग और GST महकमे में हड़कंप मच गया है। CBI का कहना है कि जांच पूरी होने तक किसी को भी क्लीन चिट नहीं दी जाएगी।

राजस्थान का एकमात्र वामन देव मंदिर

मनोहरपुर। वामन देव मंदिर राजस्थान का एकमात्र मंदिर है, जो नागर शैली की कला का उत्कृष्ट नमूना है। देवउठनी ग्यारस पर यहां विशेष रूप से वामन दीपावली मनाई जाती है। मंदिर की प्राचीन स्थापत्य कला और धार्मिक परंपरा इसे क्षेत्र की धरोहरों में विशिष्ट स्थान प्रदान करती है।

मंदिर को ऐतिहासिक धरोहर के रूप में संरक्षित किया गया है। इसके संरक्षण एवं सौंदर्यकरण के लिए सरकार द्वारा बजट स्वीकृत किया गया है। भाजपा नेता उपेन यादव ने बताया कि आगामी वर्ष वामन देव मंदिर को कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा, जिससे यहां धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और मनोहरपुर को एक विशिष्ट धार्मिक पर्यटन केंद्र के रूप में पहचान मिलेगी।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

लाखोटिया सरोवर तट पर लगेगी भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की आदमकद प्रतिमा

मोहम्मद यासीन

पाली (रॉयल पत्रिका) पाली शहर में राष्ट्रीय एकता और अखण्ड भारत की भावना को सशक्त करते हुए जिला भाजपा ने लाखोटिया सरोवर के तट पर भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 11 फुट ऊँची आदमकद प्रतिमा स्थापित करने हेतु जिला प्रशासन को प्रस्ताव प्रेषित कर स्वीकृति की मांग की है। जिला भाजपा ने निवेदन किया है कि इस स्थान को प्रतिमा हेतु आरक्षित कर स्वीकृति प्रदान की जाए, जिससे आगामी योजनाओं को मूर्त रूप दिया जा सके और क्रियान्वयन शीघ्र प्रारंभ हो सके।

जिला भाजपा प्रवक्ता त्रिलोक चौधरी ने बताया कि —

1. शहर के विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं जनप्रतिनिधियों की जनभावनाओं के अनुरूप लाखोटिया सरोवर तट पर सरदार पटेल की प्रतिमा स्थापित की जाएगी, जिससे आने वाली पीढ़ियाँ राष्ट्र की एकता और उनके दृढ़ नेतृत्व से प्रेरणा ले सकें।
2. दिनांक 31 अक्टूबर 2025 को सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर लाखोटिया उद्यान में भव्य समारोह आयोजित किया गया था। उसी अवसर पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि निर्माणाधीन रंगमंच का नामकरण "भारत रत्न लौह सरदार वल्लभभाई पटेल मंच" के नाम से किया जाए।
3. पाली शहर में अन्य महान नेताओं, खिलाड़ियों और जननायकों की प्रतिमाएं स्थापित हैं। इसी क्रम में जनभावनाओं का सम्मान करते हुए सरदार पटेल की 11 फुट ऊंची प्रतिमा व 11 फुट ऊंचे प्लेटफॉर्म का निर्माण कर सौंदर्यपूर्ण ढंग से स्थापित किया जाएगा।
4. यह प्रतिमा जनसहयोग से निर्मित होगी और भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 31 अक्टूबर को मनाए जाने वाले राष्ट्रीय एकता दिवस के महत्व को और सशक्त करेगी।

इस अवसर पर जिला कलेक्टर को ज्ञापन जिलाध्यक्ष सुनील जी भंडारी के नेतृत्व में दिया गया तथा ज्ञापन सौंपते समय दिग्विजय सिंह राठौड़, नारायण कुमावत, जुगल किशोर निकुंब, देवीलाल मेघवाल, प्रताप सिंह जोधा, शैतान देवासी, जयवर्धन रांकावत, हेमंत चौधरी, मांगू सिंह डंडा, सुरेश पंवार, दिनेश सिंह राजपुरोहित, प्रवीण गुलेचछा, दिनेश मीणा, अजय वैष्णव, राहुल मेवाड़ा सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जिला भाजपा ने आशा जताई है कि प्रशासन शीघ्र स्वीकृति जारी कर इस जनभावना के कार्य को साकार करने में सहयोग प्रदान करेगा। इस पहल से पाली शहर में राष्ट्रीय गौरव एवं एकता का नया ऐतिहासिक प्रतीक स्थापित होने जा रहा है।

प्रमोद भाया ने किया डेढ दर्जन से अधिक गांवों में जनसम्पर्क

-विधायक सी.एल.प्रेमी, उर्मिला भाया, धर्मराज मेहरा का भी जनसम्पर्क जारी

बारां (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया द्वारा शनिवार 1 नवंबर 2025 को डेढ दर्जन से अधिक गांव में पहुंचकर मतदाताओं से जनसम्पर्क किया तथा कांग्रेस पार्टी के पक्ष में अधिक से अधिक मतदान करने की अपील की गई। ग्रामीणों द्वारा जगह-जगह भाया को फलों से तोला गया, माल्यार्पण, साफाबंदी करके स्वागत सम्मान किया गया। प्रमोद भाया के समर्थन में विधायक केशोरायपाटन सी.एल. प्रेमी, जिला प्रमुख उर्मिला जैन भाया, प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव धर्मराज मेहरा द्वारा भी कई गांवों में जाकर मतदाताओं से जनसम्पर्क किया गया।

प्रमोद जैन भाया ने गांवों में जनसम्पर्क के दौरान कहा कि राजस्थान में इस वर्ष सबसे अधिक बरसात बारां जिले में हुई है। किसान भाईयों द्वारा 3-3 बार बुवाई की गई लेकिन बरसात के कारण उनका बीज गल गया। किसी के नाममात्र की पैदावार निकली है लेकिन इस भाजपा सरकार द्वारा ऐसे किसान भाईयों को आज दिनांक तक मुआवजा नही दिया गया। किसानों को यूरिया एवं डीएपी खाद के लिए राषन की दुकानों की तरह लाईनों में लगना पड रहा है तथा उन्हें दुकानदारों द्वारा जबरदस्ती अटेचमेन्ट किट दिए जा रहे है। जिले के किसान भाईयों की समस्याओं एवं आमजन को सरकार द्वारा जबरदस्ती लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर को लेकर 26 सितम्बर को जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय पर धरना दिया गया लेकिन इस गूंगी बहरी सरकार के कानों पर आज तक जू तक नही रेंगी। भाया ने कहा कि कुछ लोग चर्चा में रहने के लिए, ओछी लोकप्रियता बटोरने के लिए सोशल मीडिया पर अभद्र भाषा का प्रयोग करते है और भाजपा का टूल बनकर जनता को भ्रमित कर भाईचारे को खत्म करने का प्रयास कर रहे है। कांग्रेस पार्टी से टिकट मांगते है और फिर भाजपा का टूल बनकर कांग्रेस पार्टी को हराने का कार्य करते है और अपना उल्लू सीधा करते है। भाया ने ऐसे लोगों के बहकावे में नही आने की आमजन से अपील की गई। केशोरायपाटन विधायक सी.एल.प्रेमी एवं पीसीसी सचिव धर्मराज मेहरा द्वारा आधा दर्जन से अधिक गांवों में जनसम्पर्क करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद भाया के पक्ष में मतदान की अपील की गई। जिला प्रमुख श्रीमती उर्मिला जैन भाया, महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष बृजेश वर्मा द्वारा महिला टीम के साथ सीसवाली कस्बे में पहुंच कर डोर-टू-डोर मतदाताओं से जनसम्पर्क किया गया।

निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने अंता में किया मतदाताओं से जनसंपर्क

-प्रेस वार्ता आयोजित कर किया घोषणा पत्र जारी

अंता (रॉयल पत्रिका) । अंता विधानसभा उप चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने शनिवार को अंता शहर में मतदाताओं से जनसंपर्क कर उनके पक्ष में मतदान की अपील की। नरेश मीणा के सहयोगी अबरार मलारना ने बताया कि शनिवार दोपहर को अंता कस्बे के मुख्य मार्गो से गुजरते हुए निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा द्वारा सभी व्यापारियों ओर आमजन से मिलकर उनका आशीर्वाद लिया ओर उनके पक्ष में मतदान की अपील की। जनसंपर्क के दौरान लोगों ने नरेश का जगह - जगह स्वागत किया। इसके बाद दोपहर को कार्यालय पर आयोजित पत्रकार वार्ता में अपना घोषणा पत्र जारी किया। घोषणा पत्र में, क्षेत्र को भ्रष्टाचार व गुंडाराज से पूर्ण मुक्त कराना, किसानों के हितों में सतत संघर्ष मुआवजा, समर्थन मूल्य ओर खेतों में पहुंचने वाले मार्ग सहित एक दर्जन से अधिक बिंदुओं को अपने घोषणा पत्र में शामिल किया। इसके अलावा पत्रकार वार्ता में 8 नवम्बर को मांगरोल में एक आमसभा आयोजित करने की बात कही जो दोपहर 1 बजे से 3 बजे तक चलेगी। आमसभा के बाद मांगरोल से सीसवाली तक रोड़ शो रहेगा।

भामाशाह अग्रवाल के सहयोग से विष्णु महामाया मंदिर का जीर्णोद्धार कार्य शुरू

-मंदिर का निर्माण साढे छह स्क्वायर फीट में होगा

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। शहर के टांकरडा ग्राम में स्थित मणिद्वीप धाम परिसर में वर्षों से लंबित पड़े श्री विष्णु महामाया मंदिर के निर्माण कार्य का शुभारंभ चौमूं निवासी भामाशाह श्याम बिहारी अग्रवाल एवं परिजनों के सहयोग से प्रारंभ हुआ। इस मौके पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा व भामाशाह अग्रवाल एवं उनके परिजनों के द्वारा विधिवत रूप से पूजा अर्चना के साथ कार्य का शुभारंभ किया।

पूर्व विधायक शर्मा ने कहा कि धार्मिक कार्यों में क्षेत्र के भामाशाहों को आगे आना चाहिए। मंदिर निर्माण का कार्य अनवरत जारी रहेगा और इससे समाज में श्रद्धा एवं एकता की भावना जागृत होगी। अग्रवाल ने बालाजी के अधूरे मंदिर निर्माण कार्य को पूर्ण करवाने का संकल्प लिया। कैप्टन पंडित मोहनलाल शर्मा व पंडित रामस्वरूप शर्मा ने विधि-विधान के साथ गणेशजी, नवग्रह विष्णु महामाया की पूजा अर्चना करवाई। इसमें यजमान श्याम बिहारी अग्रवाल, संतोष देवी, हर्षिता देवी एवं परिजनों ने पूजा अर्चना की। पंडित सत्यनारायण भातरा, धाम के स्वामी योगेंद्राचार्य ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया।

धाम के स्वामी योगेंद्र आचार्य ने बताया कि मंदिर का निर्माण साडे छह हजार स्क्वायर फीट क्षेत्र में होगा। इसमें विशाल गर्भग्रह, ध्यान कक्ष, सांस्कृतिक केंद्र एवं शोध संस्थान शामिल होंगे। 9 फीट ऊंची व 18 हाथों वाली माता की प्रतिमा पहले से ही स्थापित है। यह मंदिर आसपास के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक व पारंपरिक वास्तुकला का संगम होगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण की गई।

इस दौरान पर सेवानिवृत्त शिक्षाविद हजारीलाल शर्मा, डॉ. के.बी. शर्मा, डॉ. मनोज भातरा, भुवनेश तिवाड़ी, कैलाश तिवाड़ी, पवन सिंह राजावत, रामनारायण कुलरिया, कल्याण प्रजापत, माधव शर्मा, सीताराम सोनी, लक्ष्य भातरा, रोहित सिंह, सूरज्ञान चौधरी, बालजी चोपड़ा, गोपाल चोरिया, छुट्टन सिंह, श्रवण सिंह सहित कई श्रद्धालु मौजूद थे।

अंता विधानसभा उप चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के समर्थन में एसडीपीआई ने किया जनसम्पर्क

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) । अंता विधानसभा उप चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के समर्थन में शनिवार को सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया नगर कमेटी मांगरोल के सदस्यों द्वारा जनसंपर्क किया गया। पार्टी के प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर के नेतृत्व में पदाधिकारियों ने मांगरोल शहर के विभिन्न इलाकों, मार्केट ओर मोहल्लों में डोर टू डोर जाकर मतदाताओं से नरेश मीणा के समर्थन में वोट देने की अपील की। पूर्व पार्षद नियाज़ अहमद ने बताया कि निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा सभी धर्मों के लोगों को साथ लेकर चलने वाले व्यक्ति हे, संघर्षशील है, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया ने इसी वजह से उनको समर्थन दिया है। प्रदेश महासचिव नदीम अख्तर ने कहा कि एसडीपीआई के पदाधिकारी लगातार नरेश मीणा के लिए दौरे करके समर्थन जुटाने का प्रयास कर रहे हे। नदीम अख्तर ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा के नेताओं को हमेशा अंता - मांगरोल के लोगों ने मौका दिया है। इस बार निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को मौका देने की जरूरत है। इस दौरान एसडीपीआई के सभी पदाधिकारी ओर कार्यकर्ता मौजूद रहे।

विकास और राजनीति के शुद्धिकरण के मुद्दे पर चुनाव लड़ रही भाजपा- राठौड़

-भाजपा पूरा करेगी अकावद का कार्य- दुष्यंत सिंह

शब्बीर हुसैन

बारां/अंता (रॉयल पत्रिका)। अंता उपचुनाव को लेकर बारां जिले के दो दिवसीय प्रवास पर पहुंचे भारतीय जनता पार्टी राजस्थान के मुखिया मदन राठौड़ शनिवार को अंता के एक रिसोर्ट में पत्रकारों से रूबरू हुए। पत्रकारों को संबोधित करते हुए राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने स्वच्छ छवि के किसान एवं दुकानदार कार्यकर्ता को उम्मीदवार बनाकर चुनाव में उतारा है, जिसे क्षेत्र में अपार जन समर्थन मिल रहा है। वहीं विपक्ष में जो कांग्रेस उम्मीदवार है उन पर अनगिनत मुकदमें दर्ज है। जिनके द्वारा किए गए भ्रष्टाचार के चर्चे उन्ही की पार्टी के एक दिवंगत नेता व तत्कालीन मंत्री ने विधानसभा में किए हैं। राठौड़ ने कहा कि आज वरिष्ठ नेता स्वर्गीय भरत सिंह की आत्मा भी कांग्रेस पार्टी से सवाल कर रही होगी कि उन्होंने किसे अपना प्रत्याशी बनाया है। बातचीत के दौरान राठौड़ ने कहा कि हमारा संगठन पूर्ण रूपेण एक मुखी एवं एकजुट है, जो राजस्थान में शुद्ध शासन देना चाहता है। उन्होंने कहा कि हम यह चुनाव विकास और राजनीति के शुद्धिकरण के मुद्दे पर लड़ रहे हैं। प्रदेश की पूर्ववर्ती गहलोत सरकार पर हमला बोलते हुए हुए राठौड़ ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत पूरे 5 साल होटलों में कैद होकर अपनी कुर्सी बचाने में लगे रहे। ईआरसीपी जैसी भागीरथी योजना का कार्य बंद रखा, सत्ता मोह के लिए गहलोत ने अपने ही उपमुख्यमंत्री को नकारा व निक्कमा तक कह डाला। पेपरलीक के मुद्दे पर बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ ने कहा कि भाजपा ने युवाओं के हितों की रक्षार्थ एसआईटी का गठन किया जो रोजाना पेपरचोर माफियाओं को जेल की सलाखों के पीछे भेजने का काम कर रही है और जीरो टॉलरेंस पर कार्य कर राजस्थान को पुनः शुद्ध शासन देने का काम हम कर रहे हैं। राठौड़ ने कहा कि भाजपा को किसानों की चिंता है, विभिन्न योजनाओं के साथ- साथ हम एमएसपी बढ़ाकर किसानों को आर्थिक मजबूती देने का काम कर रहे हैं और हाल ही में सरकार ने फसल खराबा सर्वे रिपोर्ट और ऑनलाईन गिरदावरी के निर्देश दिए हैं। राठौड़ ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के संघ पर प्रतिबंध लगाने के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि खड़गे उसी पार्टी के मुखिया हैं जो सेना के शौर्य पर सवाल उठाती है, जो सर्जिकल स्ट्राइक व सैन्य कार्यवाहियों के सबूत मांगती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संघ पर पूर्व में भी प्रतिबंध लगाया है, लेकिन राष्ट्रीय चरित्र का निर्माता संघ राष्ट्रप्रथम का ध्येय लेकर आज सौ वर्ष का हुआ है। क्षेत्रीय सांसद दुष्यंत सिंह ने कहा कि क्षेत्र की जनता ने कमल खिलाने का मानस बनाया है और भाजपा प्रत्याशी को सम्पूर्ण क्षेत्र में आशीर्वाद भी मिल रहा है। अकावद सिंचाई परियोजना के सवाल पर सांसद दुष्यंत ने कहा कि कांग्रेस ने केवल पत्थर लगाए हैं और सरकार के रहते रोड़े अटकाने के अलावा कोई काम नही किया है। जबकि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने अकावद का कार्य किया है और द्वितीय फेज़ का कार्य भी भाजपा के शासन में ही पूर्ण होगा। पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ व सांसद दुष्यंत सिंह के साथ जिलाध्यक्ष नरेश सिंह सिकरवार, भाजपा प्रदेश मंत्री महेन्द्र कुमावत, प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत पारीक, भाजपा नेता छगन माहुर, जगदीश मीणा, गोविन्द सिंह चौहान, रोहित नंदवाना, जिला प्रवक्ता सचिन सनाढ्य व सहप्रवक्ता योगेश राजौरा आदि मौजूद रहे।

स्वस्थ जनतंत्र की पहचान शत प्रतिशत हो मतदान

-बैंड वादन एवं मानव श्रृंखला से किया जागरूक

बारां (रॉयल पत्रिका) । जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर के निर्देशन में स्वीप कार्यक्रम अंतर्गत हाथ से हाथ मिलाए लोकतंत्र मजबूत बनाएं की थीम पर अंता विधानसभा क्षेत्र में समस्त ब्लॉक मुख्यालय पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ, वही सीसवाली मुख्यालय पर कृषि मंडी परिसर में आयोजित समारोह में सीईओ एवं नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी ने सभी मतदाताओं से 11नवम्बर को विधानसभा उपचुनाव लोकतंत्र के महापर्व में आवश्यक रूप से मतदान करते हुए अपना कर्तव्य निभाने की अपील की साथ ही उपस्थित जन को निष्पक्ष एवं निर्भीक होकर मतदान करने का संकल्प कराया।

बैंड वादन एवं बृहद मानव श्रृंखला बनाकर दिया जागरूकता का संदेश:-

इस दौरान स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने ब्रास बैंड की मधुर स्वर लहरियों से कार्यक्रम में समा बांधकर आकर्षक तरीके से मतदाताओं को जागृत किया, वहीं विद्यार्थीयो ने हाथों में मतदाता जागरूकता स्लोगन लिखी तक्तियां लिए हुए"11 नवम्बर नोट करें निर्भय होकर वोट करें "जैसे नारों का उद्घोष करते हुए कतारबद्ध होकर मानव श्रृंखला बनाई तथा आमजन को मतदान दिवस 11नवम्बर पर मतदान करने के लिए प्रेरित किया । वही सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने निर्वाचन के ऑनलाइन एप्लीकेशंस से परिचित कराया तथा निर्वाचन संबंधी समाधान प्राप्त करने की प्रक्रिया समझायी ,इस दौरान एसडीओ सौरभ भाम्बू , विकास अधिकारी सुरेश गोदारा, ईओ नगर पालिका भावेश रजक, तहसीलदार बृजेश कुमार शिहरा, प्रधानाचार्य राजाराम मीणा, हंसराज मीणा,एईएन अक्षय गालव, ब्लॉक स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी स्वीप दल के सदस्य एवं नागरिक मौजूद रहे ।

अंता विधानसभा उपचुनाव -2025:

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतगणना स्थल का लिया जायजा

बारां (रॉयल पत्रिका) । अंता विधानसभा उपचुनाव 2025 के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर ने शनिवार को राजकीय महाविद्यालय स्थित मतगणना स्थल पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु, अपर जिला कलक्टर जब्बर सिंह, मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजवीर सिंह चौधरी, अपर पुलिस अधीक्षक राजेश चौधरी एवं रिटर्निंग अधिकारी हवाई सिंह यादव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी तोमर ने मतगणना स्थल पर सुरक्षा, प्रवेश व्यवस्था, स्ट्रांग रूम, मीडिया सेंटर, पार्किंग, बिजली एवं संचार व्यवस्था का बारीकी से निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतगणना का कार्य सुगमता से हो, इसके लिए सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। इसके लिए सभी अधिकारियों को अपने दायित्व का गंभीरता से निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक अभिषेक अंदासु ने बताया कि मतगणना स्थल पर तीन स्तर की सुरक्षा व्यवस्था रहेगी तथा केवल अधिकृत व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने यह भी कहा कि मतगणना हॉल में सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था, मीडिया कवरेज की सुविधा और पर्यवेक्षकों के बैठने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा रही है, ताकि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शिता से संपन्न हो सके।

विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत राजनीतिक दलों के साथ बैठक

-मतदाता सूची की पारदर्शिता पर जोर

पीलीबंगा (रॉयल पत्रिका)। विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान-2025 के तहत शुक्रवार को निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) उमा मित्तल की अध्यक्षता में कार्यालय सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी सहित स्थानीय मान्यता प्राप्त दलों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में निर्वाचन प्रक्रिया की पारदर्शिता, मतदाता सूची की सटीकता एवं मतदाता जागरूकता पर विस्तार से चर्चा हुई। ईआरओ श्रीमती मित्तल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत सभी राजनैतिक दलों को अपने बूथ लेवल अभिकर्ताओं (बीएलए) की नियुक्ति कर उन्हें बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) के कार्य में सहयोग करना आवश्यक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वर्तमान चरण में मतदाताओं से किसी भी प्रकार के दस्तावेज नहीं लिए जाएंगे, तथा 9 दिसंबर 2025 को ड्राफ्ट रोल (प्रारूप मतदाता सूची) प्रकाशित की जाएगी। निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र में मतदाता सूची पूर्णतया निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से तैयार की जा रही है। बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर परिगणना प्रपत्र वितरित किए जाएंगे, जिन्हें मतदाताओं को सही जानकारी भरकर समय पर लौटाना होगा। अब तक 40 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के 79.33 प्रतिशत मतदाताओं एवं उनकी संतानों के 26.17 प्रतिशत का मैपिंग कार्य पूर्ण कर लिया गया है। बैठक में विधानसभा क्षेत्र के 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केन्द्रों के पुनर्गठन प्रस्तावों पर भी चर्चा की गई। ईआरओ ने बताया कि किसी भी मतदान केन्द्र पर भीड़ या असुविधा न हो, इसके लिए पुनर्गठन की प्रक्रिया पारदर्शी एवं तार्किक तरीके से की जा रही है। साथ ही भ्रामक समाचारों या वीडियोज़ के प्रसार की स्थिति में विधानसभा मीडिया प्रकोष्ठ को तुरंत सूचना देने के निर्देश दिए गए।

सनातन संस्कृति के लिए गाय की रक्षा जरूरी है - तिवाडी

- 51 गोसेवकों का मुख्य अतिथि घनश्याम तिवाडी ने किया सम्मान

चौमू (रॉयल पत्रिका)। पंचायत समिति गोविंदगढ़ के स्थित श्री कृष्ण गोपाल गौशाला में आयोजित 32 वां गोपाष्टमी एवं मेला और सम्मान समारोह में राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवारी ने कहा कि सनातन संस्कृति को जीवित रखने के लिए गौ सेवा जरूरी है। गाय हमारी राष्ट्रीय माता है गाय का गोमूत्र दूध अमृत के सम्मान होता है। इस कार्यक्रम में श्री कृष्ण गोपाल गौशाला समिति के सचिव एडवोकेट रघुवीर सिंह राठौड़ ने भी कहा कि मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद गण शांतिवादी को 51 गौ सेवकों को दुपट्टा उडाकर और स्मृति चिन्ह देखकर उनका सम्मान किया । इस कार्यक्रम के दौरान गौशाला में गौशाला परिक्रमा व एक दिवसीय हवन यज्ञ और भंडारा में प्रसादी वितरित की गई। इस कार्यक्रम में मौके पर संत रतिराम जी महाराज, साध्वी नवल बाईसा, समिति के अध्यक्ष सांवरमल अग्रवाल, सरपंच रमेश शर्मा, कॉलेज प्रिंसिपल जय भारत सिं, रणवीर सिंह, बाबूलाल जांगिड़, जयपाल सिंह सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

डॉ. यौगेश यादव को महासचिव राजस्थान के पद पर मनोनीत किया

चौमूं (रॉयल पत्रिका)। विश्व यादव परिषद प्रदेश की कार्यकारिणी में विश्व यादव परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रामदेव यादव ने अपने कार्यकारिणी में चौमूं के डां. योगेश यादव को महासचिव राजस्थान के पद पर मनोनीत किया। महासचिव पद नियुक्त होने पर विश्व यादव परिषद के पदाधिकारी तथा समाज के बंधुओ ने मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर किये।

ग्रामीण सेवा शिविर बना आशाओं का आधार

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार द्वारा ग्रामीण जनों की समस्याओं के त्वरित समाधान एवं सरकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुँचाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ग्रामीण सेवा शिविर 2025 अभियान के अंतर्गत 30 अक्टूबर को उपखण्ड प्रशासन चित्तौड़गढ़ द्वारा ग्राम पंचायत विजयपुर एवं ओडुन्द में शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में अनेक ग्रामीणों की वर्षों से लंबित समस्याओं का समाधान हुआ, जिससे लोगों में प्रसन्नता और भरोसा दोनों देखने को मिला।

सफलता की कहानी- ग्राम पंचायत विजयपुर-

शिविर में उपस्थित आशा आचार्य, पत्नी स्व. नारायण जी आचार्य ने भावुक शब्दों में बताया कि उन्होंने लगभग तीन माह पूर्व अपने पुश्तैनी मकान के पट्टे हेतु आवेदन किया था। उन्हें अपने घर के पुनर्निर्माण के लिए बैंक से ऋण की आवश्यकता थी, परंतु पट्टा नहीं होने के कारण लोन स्वीकृत नहीं हो पा रहा था। शिविर में अधिकारियों की तत्परता से उनका पट्टा तैयार होकर मिल गया, जिससे अब उन्हें बैंक से ऋण प्राप्त करने में कोई कठिनाई नहीं होगी। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा "राजस्थान सरकार का बहुत-बहुत धन्यवाद, जिन्होंने हम जैसे परिवारों के लिए ऐसे शिविर आयोजित कर हमारी वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान किया। अब मैं अपने मकान को नया रूप दे सकूंगी।"

सफलता की कहानी- ग्राम पंचायत ओडुन्द-

इसी प्रकार, ग्राम पंचायत ओडुन्द के फतह सिंह पुत्र भगवान सिंह निवासी लाखा का खेडा ने बताया कि उन्होंने अपने पुश्तैनी आवास के पट्टे के लिए काफी समय पहले आवेदन किया था। ग्रामीण सेवा शिविर 2025 में उनका आवेदन निस्तारित कर हाथों-हाथ पट्टा प्रदान किया गया। फतह सिंह ने प्रसन्न होकर कहा "ऐसे शिविर अगर समय-समय पर आयोजित किए जाएं, तो मेरे जैसे कई ग्रामीणों को तुरन्त सहायता और राहत मिल सकेगी। मुझे यह पट्टा मिलने से जो आत्मसंतुष्टि और सुख प्राप्त हुआ है, वह शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।"

जन जाति गौरव वर्ष भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयन्ती पर आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

-जनजाति श्रेणी के व्यक्तियों को करें लाभान्वित- जिला कलक्टर

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जनजाति गौरव वर्ष के अन्तर्गत भगवान बिरसा मुण्डा की 150वीं जन्म जयन्ती के उपलक्ष में जिले के जनजाति क्षेत्रों में विविध कार्यक्रम एवं गतिविधियों के माध्यम से लाभान्वित रहने के लिए जिला कलक्टर लोक बन्धु ने निर्देश प्रदान किए। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राम प्रकाश ने इस दौरान आयोजित होने वाली गतिविधियों की कार्ययोजना से अवगत कराया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि भगवान बिरसा का जन्म 15 नवम्बर 1875 को रांची जिले के उलिहातु गांव में हुआ था। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बाद हुए प्रसिद्ध आदिवासी आंदोलन के महानायक के रूप में बिरसा मुंडा के नेतृत्व में महत्वपूर्ण कार्य हुआ। धरती के पिता धरती आबा के नाम से जाना जाकर आदिवासी लोगों के बीच देवता के रुप में पूजा जाता है। आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर केन्द्रीय मंत्री मण्डल ने आदिवासी स्वतंत्रता सैनानियों के योगदान को मनाने के लिए प्रतिवर्ष 15 नवम्बर को जनजातीय गौरव दिवस के रुप में घोषित किया है। जनजाति कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भी 15 नवम्बर 2024 से 15 नवम्बर 2025 तक जनजाति गौरव वर्ष मनाने का निर्णय लिया गया। जनजातीय गौरव वर्ष के अन्तर्गत एक नवम्बर 2025 से 15 नवम्बर 2025 तक विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियां आयोजित होगी। उन्होंने कहा कि शनिवार, एक नवम्बर को एकलव्य मॉडल रेजिडेन्सियल स्कूल (ईएमआरएस) में जनजाति संस्कृति, परम्परा एवं कला विषयक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार रविवार, 2 नवम्बर को लाभ सन्तृप्ति शिविरों का आयोजन ई-मित्र केंद्रों पर जिला प्रशासन एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के सहयोग से होगा। सोमवार, 3 नवम्बर को समस्त विद्यालयों में प्रार्थना सभा में भगवान बिरसा मुण्डा की जीवनी की जानकारी दी जाएगी एवं निबंध, भाषण, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। मंगलवार, 4 नवम्बर को महाविद्यालयों में भगवान बिरसा मुण्डा पर भाषण, निबंध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

केशवरायपाटन में बीएलओ को दिया प्रशिक्षण

-राजनीतिक दलों के साथ बैठक का हुआ आयोजन

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (SIR) को लेकर शुक्रवार को केशवरायपाटन में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ऋतुराज शर्मा की अध्यक्षता में बैठकें आयोजित हुई। पंचायत समिति के सभागार में आयोजित बैठक में बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) और बीएलओ सुपरवाइजरों को प्रथम ट्रेनिंग (ओरिएंटेशन ब्रीफिंग) दी गई। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ऋतुराज शर्मा ने बीएलओ को कार्यक्रम के नवीन दिशा-निर्देशों से अवगत करवाया। उन्होंने बीएलओ को निर्देश दिए कि वे घर-घर जाकर गणना फॉर्म किस तरह भरवाएं। ईआरओ ने कहा कि बीएलओ यह सुनिश्चित करें कि कोई भी योग्य मतदाता सूची से न छूटे और किसी भी अयोग्य मतदाता का नाम सूची में न जुड़ने पाए। सभी बीएलओ को कार्य समय सीमा में पूरा करने के लिए निर्देशित किया गया। इसके बाद, उपखण्ड कार्यालय में विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्यों के साथ आयोजित बैठक में कार्यक्रम की समय-सारणी साझा करते हुए जानकारी दी गई कि 4 नवम्बर से 4 दिसम्बर तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना फॉर्म भरवाए जाएंगे। इस दौरान मतदाता से कोई दस्तावेज नहीं लिया जाएगा। ड्राफ्ट मतदाता सूची का प्रकाशन 9 दिसम्बर को होगा, जिसके बाद दावे और आपत्तियां ली जाएंगी। मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन 7 फरवरी 2026 को किया जाएगा। ईआरओ ने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे अपने बूथ पर नियुक्त बीएलए-2 (बूथ लेवल एजेंट) को मतदाता के सत्यापन कार्य में बीएलओ का सहयोग करने के लिए निर्देशित करें, ताकि पुनरीक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा सकें।

जिले में भवन-सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता जांच के लिए विशेष अभियान के संबंध में ली बैठक

-निरीक्षण कमेटियों का किया गया गठन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। जिले में भवन और सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्यों में पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए शनिवार, एक नवम्बर से एक माह तक सघन निरीक्षण अभियान संचालित होगा। इस संबंध में शुक्रवार को जिला कलक्टर लोक बन्धु ने संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण कमेटियों का गठन किया गया। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने कहा कि विशेष अभियान में सार्वजनिक निर्माण विभाग, नगरीय विकास एवं स्वायत शासन विभाग और समग्र शिक्षा अभियान से संबंधित कार्यों की मॉनिटरिंग के लिए निरीक्षण समितियों के गठन के बारे में अतिरिक्त जिला कलक्टर वंदना खोरवाल को नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। इस अभियान की सफलता के लिए निरीक्षण समितियों के गठन किए गए हैं। ये समितियां निर्धारित समयावधि में सघन निरीक्षण रिपोर्ट तैयार करेंगी। उन्होंने बताया कि इसके तहत नगरीय निकाय व नगरीय विकास के सड़कों एवं भवनों के कार्यों के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता अशोक कुमार तंवर, सार्वजनिक निर्माण विभाग गुण नियंत्रण खण्ड के अधिशाषी अभियन्ता राम सिंह मीना, नगर निगम के अधिशाषी अभियंता रमेश चौधरी तथा एडीए के अधिशाषी अभियंता अरूण वर्मा की निरीक्षण कमेटी बनाई गई है। उन्होंने बताया कि नगर निगम तथा अजमेर विकास प्राधिकरण क्षेत्र के सड़कों एवं भवनों के कार्यों की निरीक्षण कमेटी में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता अशोक कुमार तंवर, सार्वजनिक निर्माण विभाग गुण नियंत्रण खण्ड के अधिशाषी अभियन्ता राम सिंह मीना, नगर निगम की अधिशाषी अभियंता आकांक्षा सोनी एवं एडीए के अधिशाषी अभियंता राजेन्द्र कुडी होंगे। उन्होंने बताया कि नगर परिषद किशनगढ़ क्षेत्र के सड़क एवं भवन निर्माण कार्यों की निरीक्षण कमेटी में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता अशोक कुमार तंवर, सार्वजनिक निर्माण विभाग गुण नियंत्रण खण्ड के अधिशाषी अभियन्ता राम सिंह मीना, एडीए की अधिशाषी अभियंता निकेता राजपूत तथा नगर पालिका नसीराबाद के कनिष्ठ अभियंता रामदीप गुर्जर होंगे।

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल भारत की एकता के निर्माता- आयुक्त नगर परिषद

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में, बूंदी शहर 'राष्ट्रीय एकता' के जश्न में सराबोर रहा। इस अवसर पर भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो (कोटा) द्वारा आयोजित दो दिवसीय मल्टीमीडिया प्रदर्शनी का पीएमश्री राजकीय माध्यमिक विद्यालय के सभागार में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ समापन हुआ। इसके साथ ही, हायर सैकेण्डरी स्कूल के खेल स्टेडियम में में 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन कर एकता का सशक्त संदेश दिया गया। साथ ही राष्ट्रीय एकता की शपथ भी दिलाई गई। समापन समारोह में मुख्य अतिथि, नगर परिषद आयुक्त धर्मेंद्र मीणा ने सरदार पटेल के जीवन दर्शन को याद करते हुए कहा कि, "सरदार वल्लभभाई पटेल महान व्यक्तित्व थे, जिन्होंने बिखरी रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर आधुनिक भारत का निर्माण किया। आज के युवाओं को उनकी अदम्य इच्छाशक्ति से प्रेरणा लेकर राष्ट्र हित में कार्य करना चाहिए।" उन्होंने केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रे मोदी के प्रयासों की भी सराहना की। उन्होंने उपस्थित युवाओं से सरदार पटेल की अदम्य इच्छाशक्ति से प्रेरणा लेकर देश हित में कार्य करने का आहवान भी किया। इस अवसर पर सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा ने सरदार पटेल को 'आधुनिक भारत की नींव' बताते हुए कहा कि "सरदार पटेल न सिर्फ भारत के पहले उपप्रधानमंत्री और गृह मंत्री थे, बल्कि वे उस एकता के प्रतीक थे, जिन्होंदने भारत में एकता की नींव रखी। गुजरात स्थित 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' भारत की अखंडता का परिचायक है। राष्ट्रीय एकता दिवस हमें याद दिलाता है कि भाषा, संस्कृति, धर्म सब अलग होने पर भी हमारी आत्मा एक है।" उन्होंने कहा की सरदार पटेल की इच्छाशक्ति, राजनीतिक कुशलता और दृढ़ नेतृत्व ने ही रियासतों का भारत संघ में विलय कराया।

पीएम श्री महात्मा गांधी टाउन विद्यालय में मेगा पीटीएम आयोजित

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। पी.एम. श्री. एम.जी.जी. एस. टाउन डूंगरपुर में शुक्रवार को स्थानीय विद्यालय में सरदार वल्लभ भाई पटेल जयंति पर मेगा पी.टी.एम. का आयोजन मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर डूंगरपुर अंकित कुमार सिंह व विशिष्ट अतिथि मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक शिक्षा नीरज कुमार जोशी व पी टी ए अध्यक्ष पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमान दिनेश जी श्रीमाल के आतिथ्य किया गया। कार्यवाहक प्रधानाचार्य जैनेंद्र तारावत ने बताया कि राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष में विद्यालय में पोस्टर, स्लोगन,निबंध और भाषण प्रतियोगिता कराईं गई स इस अवसर परअतिथियों को विजेता विद्यार्थियों को पारितोषिक वितरण किया गया व राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई गई। मेगा पीटीएम में कुल 237 अभिभावकों ने भाग लिया तथा विद्यार्थियों की प्रगति से अवगत करवाया गया स साथ ही कृष्ण भोज का आयोजन किया गया जिसमें सभी विद्यार्थियों को मीठा भोजन कराया गया स कार्यक्रम का संचालन प्रशांत जोशी व अनुराधा चौबीसा द्वारा किया गयास आभार राजेंद्र सिंह जी राव ने व्यक्त किया तथा तरुण भट्ट एवं पंकज आर्य द्वारा सहयोग किया गया।

वागड़ महोत्सव एवं जनजाति गौरव वर्ष

-धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा 150 वीं जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों के लिए समीक्षा बैठक आयोजित

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह की अध्यक्षता में शुक्रवार को जिला परिषद के ईडीपी सभागार में तीन दिवसीय वागड़ महोत्सव तथा 1 नवंबर से 15 नवंबर तक आयोजित होने वाले जनजाति गौरव वर्ष धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के 150वीं जयंती पर आयोजित होने वाले पखवाड़ा अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों की पूर्व तैयारी की समीक्षा की तथा दिशा निर्देश प्रदान किये। उन्होंने शोभायात्रा, रूट, बैंड, बिजली के तारों को ऊपर करने हेतु व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, दीपदान, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बैठक व्यवस्था, मंच सज्जा, साउंड, आतिशबाजी, द्वितीय दिवस होने वाले खेल आयोजन, मेहंदी रंगोली प्रतियोगिताएं, देव सोमनाथ तथा सागवाड़ा में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारी, ट्रैफिक, पार्किंग, कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था के बारे में जानकारी ली तथा आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

वागड़ महोत्सव में यह रहेंगे कार्यक्रम-

राजस्थान पर्यटन एवं जिला प्रशासन डूंगरपुर द्वारा आयोजित डूंगरपुर स्थापना दिवस पर वागड़ महोत्सव 2 से 4 नवम्बर तक आयोजित किया जाएगा। इसमें 2 नवम्बर को शोभायात्रा अपरान्ह 3.30 बजे लक्ष्मण मैदान डूंगरपुर से प्रारंभ होगी। दीपदान सायं 5.30 बजे गेपसागर की पाल, सायं 6 बजे आतिशबाजी बादल महल, सायं 7 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं पर्यटन विभाग के कलाकार द्वारा लक्ष्मण मैदान डूंगरपुर में आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में 3 नवम्बर को प्रातः 10.30 बजे लक्ष्मण मैदान में पारम्परिक खेलकूद एवं रंगोली, मेंहन्दी, सायं 7 बजे लक्ष्मण मैदान डूंगरपुर में सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सायं 7 बजे मंदिर परिसर देवसोमनाथ में भी सांस्कृतिक कार्यक्रम पर्यटन विभाग के कलाकार द्वारा किया जाएगा। साथ ही 4 नवम्बर को प्रातः10.30 बजे महिपाल रा.उ.मा.वि. खेल मैदान सागवाड़ा में पारम्परिक खेलकूद एवं प्रतियोगिताऐं रंगोली, मेहन्दी, रस्सा कस्सी, मटका-दौड आदि, सायं 5.30 बजे मसानिया तालाब सागवाडा दीपदान, सायं 7 बजे महिपाल रा.उ. मा. वि. खेल मैदान सागवाडा में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

सरदार पटेल की जयंती के उपलक्ष्य पर अलवर में यूनिटी मार्च पदयात्रा आयोजित

-केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव एवं वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने यूनिटी मार्च को दिखाई हरी झंडी

अलवर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती व राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य पर अलवर में शुक्रवार को नेहरू उद्यान से यूनिटी मार्च को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर स्वयं शामिल हुए। इस दौरान केंद्रीय वन मंत्री यादव ने उपस्थित लोगों को शपथ दिलाई। केंद्रीय वन मंत्री ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' बनाने की संकल्पना को साकर करने की दिशा में ऐसी गौरवशाली युवा पीढी तैयार करना है जो एकता के साथ देश के लिए काम करें। इसके लिए उन्होंने तीन मंत्र दिए — पहला अच्छा स्वास्थ्य, नौजवान सरदार वल्लभ भाई पटेल से प्रेरणा लेकर इस यूनिटी मार्च के माध्यम से संकल्प लें कि एक यूनिट के साथ काम करके नशामुक्त भारत की तरफ आगे बढेंगे। दूसरा अच्छा चरित्र कौशल, युवाओं के पास स्किल होना आवश्यक है बिना स्किल के आगे नहीं बढा जा सकता है। इसके लिए ऐसी युवा पीढी का निर्माण करें जो स्किलयुक्त हो तथा तीसरा नागरिक कर्तव्य, हमारे जीवन का सबसे बड़ा उद्देश्य होना चाहिए कि जो जीवन मनुष्य के रूप में हमें मिला है उसे देश के अच्छे नागरिक के रूप में राष्ट्रीय कर्तव्यों को पूरा करने में समर्पित करें। उन्होंने कहा कि अदम्य दृढता, राष्ट्रभक्ति के प्रेरणास्त्रोत सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य पर पूरे देश में पदयात्राओं का आयोजन किया जा रहा है इस दौरान नशामुक्त भारत, स्वदेशी भारत, आत्मनिर्भर भारत बनाने के साथ-साथ विभिन्न गतिविधियां भी आयोजित कराई जा रही है। वन राज्यमंत्री संजय शर्मा कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल भारत की एकता व अस्मिता की पहचान है। देश को एकता के सूत्र में पिरोने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। भारत की अखण्डता व एकता को बनाने में सभी का योगदान बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल की याद में राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया जाता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य पर यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया है जिसमें बड़ी संख्या में युवाओं, विद्यार्थियों एवं आमजन ने भाग लेकर इस यात्र को सफल बनाया है।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर हुए विविध आयोजन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय अजमेर शुक्रवार को राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विविधता में एकता हमारी शान, हमारी पहचान पर हस्ताक्षर किए। राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) मनोज कुमार बहरवाल ने विद्यार्थियों को सरदार पटेल की जयंती का महत्व, उनके विचार और भारत को एक करने में उनके योगदान पर अपने विचार रखे। सहायक निदेशक प्रोफेसर अनिल दाधीच ने राष्ट्रीय एकता की भावना को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। स्वीप की नोडल अधिकारी प्रोफेसर भारती प्रकाश ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए अपने योगदान का संकल्प दिलाया। चुनाव मुख्य शाखा की स्वीप प्रभारी मीना शर्मा ने कहा कि वोट डालने से हम राष्ट्रीय एकता और अखंडता की भावना को मजबूत बनाते हैं और अपने देश की प्रगति में योगदान करते हैं। कार्यक्रम में स्वीप समिति के सदस्यों का सम्पूर्ण योगदान रहा। विज्ञान, कला और वाणिज्य संकाय के एवं विद्यार्थियों के साथ, महाविद्यालय के संकाय सदस्यों की गरिमामय उपस्थिति रही। कार्यक्रम का संचालन डॉ. उगेश दत्त और डॉ. हेमलता कुंपावत ने किया। सभी विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों को धन्यवाद एवं आभार प्रोफेसर मीनाक्षी गहलोत द्वारा दिया गया।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती यूनिटी मार्च का किया गया आयोजन

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वी जयंती के उपलक्ष्य में यूनिटी मार्च जिला स्तरीय पद यात्रा निकाली गई। पद यात्रा को सम्भागीयआयुक्त शक्तिसिंह राठौड़, जिला कलक्टर लोक बंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा एवं भाजपा देहात जिलाध्यक्ष जीतमलप्रजापत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह यात्रा का समापन रीजनल कॉलेज चौपाटी पर हुआ और वहां पर राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलवाई गई। पटेल मैदान पर सरदार पटेल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। पदयात्रापटेल स्टेडियम से आरम्भ होकर बजरंगगढ़ चौराहा होते हुए वैशाली नगर से रीजनल कॉलेज चौपाटी तक पहुंची। सरदार पटेल के आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लिया। पद यात्रा मेंस्थानीय युवा, माई भारत, सामाजिक कार्यकर्ताओं, हाड़ी रानी बटालियन, नर्सिंग कॉलेज, आशा सहयोगिनी, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, इंजीनियरिंग कॉलेज, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडेट कोर, स्काउट गाइड, शारीरिक शिक्षक, विद्यार्थी, राजकीय कन्या महाविद्यालय, राजस्थान पुलिस तथा केंद्रीय रिजर्व पुलिस प्रथम एवं द्वितीय समूह की सहभागिता रही।

जनजाति गौरव सप्ताह-2025 के अंतर्गत जिले में विविध कार्यक्रमों का आयोजन

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग, उदयपुर के आदेशानुसार 1 नवम्बर से 15 नवम्बर 2025 तक जनजाति गौरव सप्ताह-2025 के अंतर्गत जिलेभर में विभिन्न जनकल्याणकारी एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने बताया कि इस अवधि में जनजातीय समाज के योगदान, संस्कृति, परंपरा एवं विकास को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से विविध विभागों द्वारा विशेष गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। जनजाति गौरव सप्ताह के दौरान शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं सामाजिक विकास से जुड़ी कई गतिविधियाँ संचालित होंगी। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनय पाठक ने बताया कि 2 नवम्बर को लाभ सन्तृप्ति दिवस के रूप में मनाया जाएगा, जिसमें विभिन्न जनकल्याण योजनाओं के लाभार्थियों को अधिकतम लाभ पहुँचाने हेतु शिविर आयोजित किए जाएँगे। 3 नवंबर से 9 नवम्बर तक विद्यालयों एवं छात्रावासों में भगवान बिरसा मुण्डा जी के जीवन, संघर्ष एवं योगदान पर आधारित प्रार्थना सभाएँ, प्रतियोगिताएँ, भाषण, निबंध लेखन, चित्रकला एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे।

असम के सभी सिनेमाघरों में रिलीज होगी जुबीन की आखिरी फिल्म...

मुंबई। देश के महान गायक जुबीन गर्ग का 19 सितंबर को निधन हो गया। असम सहित पूरे देश ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। 31 अक्टूबर को उनकी आखिरी फिल्म 'रोई रोई बिनाले' रिलीज होने वाली है। बताया जाता है कि राज्य के सभी सिनेमाघरों में 'थामा', 'एक दीवाने की दीवानियत', 'कंतारा चैप्टर 1' और 'जॉली एलएलबी 3' सहित सभी फिल्मों की स्क्रीनिंग को रोकने का फैसला किया गया है। यह फैसला इसलिए किया गया है, ताकि जुबीन गर्ग की आखिरी फिल्म 'रोई रोई बिनाले', राज्य के सभी सिनेमाघरों में खास तौर से प्रदर्शित हो सके। असम के हर सिनेमाघर में सिर्फ 'रोई रोई बिनाले' ही दिखाई जाएगी। यह कदम जुबीन गर्ग को भावभीनी श्रद्धांजलि देने के लिए उठाया गया है।

लाइफ Style

सारा

सार्वजनिक हस्ती के लिए चीजें आसान नहीं

एजेंसी ⏭ मुंबई

अभिनेता सैफ अली खान की बेटी सारा अली खान अक्सर सुर्खियों में रहती हैं। वह सोशल मीडिया पर अक्सर कुछ न कुछ शेयर करती रहती हैं। कई बार ट्रोलर्स उन्हें ट्रोल करते हैं। अभिनेत्री मानती है कि लगातार ट्रोलिंग और आलोचना का सामना करना आसान नहीं है।

खासकर जब यह व्यक्तिगत हो जाए। हालांकि सारा कहती हैं कि समय के साथ उन्होंने मानसिक फिल्टर विकसित कर लिए हैं और जरूरी चीजों पर ध्यान केंद्रित करना सीख लिया है। सारा अली खान ने 2018 में दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत के साथ फिल्म केदारनाथ से बॉलीवुड में कदम रखा था। इसके बाद उन्होंने 'सिम्बा', 'कुली नंबर 1', 'अतरंगी रे' और 'जरा हटके जरा बचके' जैसी कई फिल्मों में काम किया। उन्होंने कहा 'जब आप एक सार्वजनिक हस्ती होते हैं, तो चीजें आसान नहीं होतीं, हर तरफ से मशवरे दिए जाते हैं, चाहे आप इसे मानें या न मानें। हालांकि समय के साथ, मैंने एक मानसिक फिल्टर बनाना सीख लिया है।' 30 वर्षीय सारा का कहना है, 'मैं मानती हूं कि रचनात्मक आलोचना काम के बारे में होती है और यह मुझे आगे बढ़ने, सीखने और बेहतर बनने में मदद करती है। मैं इसकी बहुत कद्र करती हूं लेकिन जब यह व्यक्तिगत हो जाती है या जब इरादा आपको नीचे गिराने का हो, तो मैं इसे अंदर नहीं आने देती। मुझे एहसास हुआ है कि हर कोई आपको नहीं जानता और हर किसी को जानने की जरूरत भी नहीं है। मैं चाहती हूं कि मैं उन लोगों से जुड़ी रहूं जो मुझे स्क्रीन के बाहर जानते हैं।'

हॉलीवुड मसाला

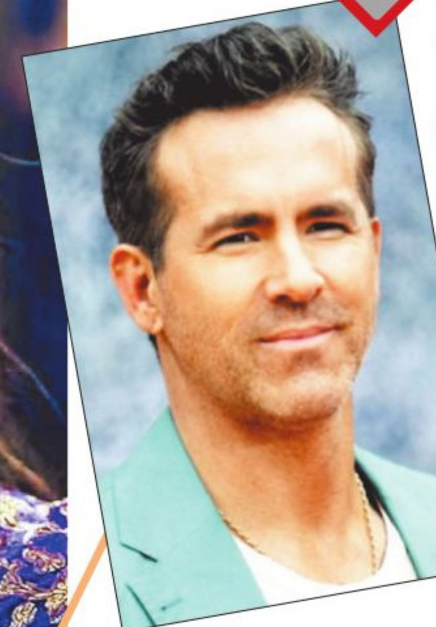

द पैराडाइज में होंगे रेनॉल्ड्स

मुंबई। साउथ के अभिनेता नानी अपनी अपकमिंग तेलुगु फिल्म 'द पैराडाइज' को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म को हिट कराने के लिए निर्माता कई कदम उठा रहा हैं। इसी कड़ी में निर्माता कथित तौर पर हॉलीवुड अभिनेता रयान रेनॉल्ड्स के साथ फिल्म रिलीज करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। फिल्म से जुड़े सूत्रों की मानें तो निर्देशक श्रीकांत ओडेला का मानना है कि रेनॉल्ड्स जैसे वैश्विक नाम को शामिल करने से इस एक्शन ड्रामा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने में मदद मिलेगी।

अजगर के साथ पोज देती नजर आईं प्रियंका

लॉस एंजिल्स। ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा ने कुछ ही देर पहले सोशल मीडिया पर अपने पति निक जोनस के साथ कुछ खास तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों को देखकर प्रियंका का एक पुराना शौक नजर आ रहा है। प्रियंका ने अजगर को गले में डालकर हंसते हुए पोज दिए। प्रियंका ने आज इंस्टाग्राम पर अपनी और निक जोनस की कई तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में प्रियंका गले में एक अजगर को डाले खुशी से तस्वीरें खिंचवातीं नजर आ रही हैं। हालांकि, इन लेटेस्ट तस्वीरों के साथ प्रियंका ने कुछ पुरानी तस्वीरें भी शेयर की हैं, जो अजगर के साथ है। यह तस्वीरें बताती हैं कि प्रियंका को अजगर के साथ तस्वीरें खिंचवाने का काफी पुराना शौक रहा है। प्रियंका ने तस्वीरों के साथ इंस्टाग्राम पर अपना एक खास वीडियो भी शेयर किया है।

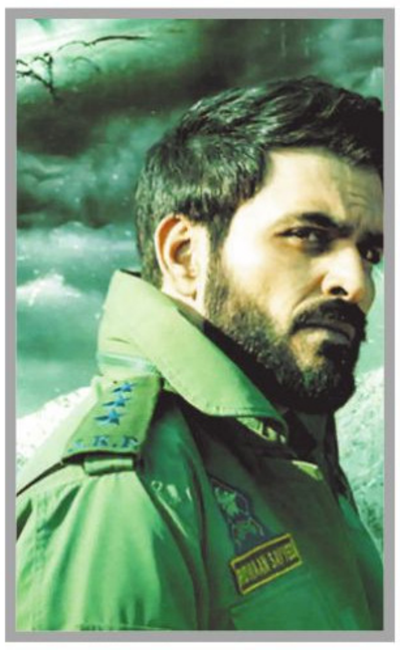

रोंगटे खड़े कर देने वाला ट्रेलर रिलीज...

मुंबई। मानव कौल की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'बारामूला' का ट्रेलर आखिरकार निर्माताओं ने रिलीज कर दिया है। इसमें बच्चों के रहस्यमयी तरीके से गायब होने की घटना दर्शकों को हैरान कर रही है। यह फिल्म जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। फिल्म 'बारामूला' के मेकर्स ने 2 मिनट 13 सेकेंड का ट्रेलर रिलीज किया है। ट्रेलर की शुरुआत एक बच्चे के गायब होने से होती है। इसके बाद डीएसपी सैय्यद रिदवान इस केस की जांच करने अपने परिवार के साथ गांव आते हैं। डीएसपी के घर में भी अजीब-अजीब घटनाएं होती हैं। फिर इसी तरह और बच्चों के गायब होने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। कुछ दृश्य तो रोंगटे खड़े करने का काम करते हैं। इस फिल्म का निर्देशन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता आदित्य सुहास जम्भाले द्वारा किया गया है।

टॉक्सिक से यश का शानदार पोस्टर जारी

मुंबई। 'टॉक्सिकः ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स के निर्माताओं ने फिल्म की देरी से रिलीज की अफवाहों पर विराम लगाते हुए रिलीज डेट की पुष्टि कर दी है। निर्माताओं का जवाब केवीएन प्रोडक्शंस ने एक्स हैंडल पर देते हुए यश का एक शानदार पोस्टर शेयर किया और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, 'अभी 140 दिन बाकी हैं। टॉक्सिक 19 मार्च 2026 को रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है, जो उगादी, गुड़ी पड़वा और ईद के त्योहारी सप्ताहांत के लिए बिल्कुल सही समय पर है। पोस्ट-प्रोडक्शन तब शुरू हुआ जब यश मुंबई में फिल्म 'रामायण' की शूटिंग कर रहे थे। टीम अब शूटिंग के अंतिम हिस्से को पूरा कर रही है और जनवरी 2026 में इसका प्रचार शुरू होगा। यह फिल्म अंग्रेजी और कन्नड़ में एक साथ शूट की गई है।

टीवी मसाला

साउथ इंडस्ट्री में एक अनुभव भी नहीं था सुखद : मदालसा

नई दिल्ली। मदालसा शर्मा बॉलीवुड फिल्मों और टेलीविजन की जानी-मानी अभिनेत्री हैं। एक्ट्रेस को 'अनुपमा' टीवी शो से काफी पहचान मिली। इतना ही नहीं मदालसा, दिग्गज अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती की बहू भी हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने साउथ इंडस्ट्री में काम करने के अपने बुरे अनुभव का खुलासा किया। हाल ही में अभिनेत्री मदालसा शर्मा पिंकविला से एक बातचीत में शामिल हुई थीं। इस दौरान उन्होंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में अपने काम के अनुभवों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, 'एक अनुभव भी सुखद नहीं थे मेरे वहां पर। फिर मुझे लगा कि मैं नहीं कर पाऊंगी और वह रास्ता मैं नहीं अपना पाऊंगी।' उन्होंने कहा, 'कास्टिंग काउच और वो सब। मुझे लगता है कि यह हर जगह है । मुझे साउथ में थोड़ी निराशा हुई थी। कोई अनुभव नहीं है, लेकिन एक बातचीत ने मुझे असहज कर दिया था। मुझे याद नहीं है, मैं 17 साल की थी, कुछ साल हो गए हैं। लेकिन, मुझे याद है कि मुझे असहज महसूस हुआ और मैं बस बाहर चली गई, और मैंने खुद से कहा, चलो अब मुंबई वापस चलते हैं।' अभिनेत्री ने अपने जीवन के लक्ष्यों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, 'हर इंसान का एक लक्ष्य होता है, जिससे वो कहीं पहुंचने का सपना देखता है। मेरा लक्ष्य महत्वाकांक्षा है, सब कुछ है, मगर वो उतना ज्यादा नहीं है कि मैं उसको खुद पे हावी होने दूं। मुझे क्या चाहिए, क्या नहीं चाहिए और किस कीमत पर चाहिए। मेरे फैसले उसी के आधार पर हैं।' मदालसा शर्मा ने साल 2009 में तेलुगु फिल्म 'फिटिंग मास्टर' से डेब्यू किया था।

कैप्टेंसी टास्क से अश्नूर-अभिषेक बाहर

मुंबई। बिग बॉस 19 के लेटेस्ट एपिसोड की शुरुआत फरहाना और मृदुल के बीच लड़ाई से शुरू होती है। 66वें दिन की शुरुआत 'हुस्न तेरा तौबा तौबा' गाने से होती है। सुबह-सुबह ब्रेकफास्ट के दौरान कुनिका और अभिषेक के बीच बहस होती है। दोनों मिल्क प्रोडक्ट्स को लेकर बहस करते है। मृदुल दोनों को समझाते हैं, लेकिन दोनों में से कोई भी नहीं मानता। इसके बाद बिग बॉस सभी घरवालों को गार्डन एरिया में इकट्ठा करते हैं और कैप्टेंसी की दावेदारी के लिए टास्क रखते है। बिग बॉस कहते हैं कि घर में जीनियस साइंटिस्ट की लैब बनाई गई है। साइंटिस्ट को कुछ सामान चाहिए, जिसे जोड़ी में बने कंटेस्टेंट्स वो सामान लाकर देंगे। फिर फरहाना अमाल, गौरव-मालती, नीलम-कुनिका, मृदुल-तान्या और प्रणित-शहबाज की जोड़ी बनती है। बिग बॉस कहते हैं कि अश्नूर और अभिषेक को कैप्टेन की दावेदारी नहीं दी जाएगी। उन्होंने पहले ही घर नियमों का उल्लंघन किया है। अश्नूर को गेम का संचालक बनाते है।

एनरिक इग्लेसियस के कॉन्सर्ट में जमा हुआ बॉलीवुड

मुंबई। लगभग 13 साल बाद एनरिक इग्लेसियस भारत में अपना म्यूजिक कॉन्सर्ट कर रहे हैं। मुंबई में बुधवार को सिंगर के कॉन्सर्ट में कई बॉलीवुड सेलेब्स मौजूद दिखे। सभी एनरिक के सॉन्ग को एंज्वॉय कर रहे थे। इस कॉन्सर्ट के कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हैं, जिसमें कई मलाइका, रकुल के अलावा कई सेलेब्स नजर आ रहे हैं।

मलाइका और रकुल ने एंज्वॉय किया कॉन्सर्ट : मलाइका अरोड़ा को म्यूजिक कॉन्सर्ट को काफी एंज्वॉय करते हुए देखा गया। रकुल प्रीत अपने पति जैक भगनानी के साथ कॉन्सर्ट में पहुंची थीं। यह कपल भी कॉन्सर्ट में काफी मस्ती के मूड में दिखा। रकुल ने अपने इंस्टाग्राम पर भी एनरिक के कॉन्सर्ट की तस्वीरें शेयर की हैं।

सोनल चौहान ने कैमरा को दिए पोज : एक्ट्रेस सोनल को भी एनरिक के म्यूजिक कॉन्सर्ट में देखा गया। कैमरा देखकर उन्होंने कई पोज दिए। वह कॉन्सर्ट में काफी खुश दिख रही थीं।

सिंगर एनरिक भी भारत आकर खुश हैं : एनरिक की भारत में अच्छी-खासी फैन फॉलोइंग है। उनके गानों को यहां काफी पसंद किया जाता है। वह भी भारत आकर खुश हैं। भारत आने के बाद एनरिक ने फर्स्टपोस्ट से बात करते हुए कहा, 'भारत में दर्शक अद्भुत हैं। उनमें म्यूजिक के लिए प्यार है। जब मैं भारत में स्टेज पर आता हूं, तो दर्शक कमाल के होते हैं। उनकी एनर्जी का लेवल बेहतरीन होता है।'

ताज महल का दीदार करेंगे एनरिक : बता दें कि इंटरनेशनल पॉप स्टार एनरिक 29 और 30 अक्टूबर को मुंबई में कॉन्सर्ट कर रहे हैं। अपने शो के बाद वो आगरा भी जाने वाले हैं, जहां ताजमहल का दीदार करेंगे। इससे पहले वो साल 2012 में भारत आए थे और परफॉर्म किया था। और इससे पहले वो साल 2004 में इंडिया आए थे।

वेटिकन सिटी में गाया गया भारतीय गाना
कलाकारों को अच्छा लगा पोप लियो का साथ

मुंबई। भारत की फिल्में पूरी दुनिया में देखी जाती हैं और इनकी तारीफ होती है। भारत का संगीत भी लगभग पूरी दुनिया में सुना जाता है और इसे लोग पसंद करते हैं। हाल ही में केरल के संगीतकारों-गायक विजय येसुदास और कीबोर्डिस्ट स्टीफन देवासी ने वेटिकन सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में मलयालम गाना गया। दोनों कलाकारों ने 'नोस्त्रा एतेते' नाम से आयोजित कार्यक्रम में पोप लियो 14वें की उपस्थिति में यह गाना गाया।

मलयालम में गाए गए गाने 'दैव स्नेहम वर्णिचिदन' की तारीफ हो रही है। भक्ति गीत 'दैव स्नेहम वर्णिचिदन' की रचना सेवानिवृत्त डीजीपी टोमिन जे. थचनकारी ने की थी। एक फेसबुक पोस्ट में, देवासी ने कार्यक्रम की तस्वीरें साझा कीं और इसे 'रोम में अद्भुत क्षण' बताया। उन्होंने लिखा, 'पोप लियो के साथ होना अच्छा था।' उन्होंने कहा कि वह इस कार्यक्रम में दुनिया भर के कलाकारों के साथ थे। देवासी के ऑफिस से कहा गया कि वह शुक्रवार को केरल लौटेंगे। विजय येसुदास महान गायक केजे येसुदास के बेटे हैं। चर्च के अधिकारियों के अनुसार, नोस्त्रा एतेते कैथोलिक चर्च और गैर-ईसाई धर्मों के संबंधों की एक कड़ी है। इस वर्ष इसकी 60वीं वर्षगांठ है, जिसे रोम और दुनिया भर में मनाया जा रहा है।

बाहुबली और बाहुबली-2 को जोड़कर बनाई गई है 'बाहुबलीः द एपिक'

सिनेमाघरों में द ताज स्टोरी समेत आज पांच नई हिंदी फिल्में होंगी रिलीज

मुंबई। सिनेमाघरों में शुक्रवार, 31 अक्टूबर को हिंदी में 5 फिल्में रिलीज हो रही हैं। इनमें जहां परेश रावल की 'द ताज स्टोरी' से लेकर हुमा कुरैशी की 'सिंगल सलमा' जैसी नई फिल्में हैं, वहीं डायरेक्टर एसएस राजामौली की एक्शन ड्रामा फिल्म 'बाहुबली: द एपिक' भी है, जो एक तरह से ब्लॉकबस्टर 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' को जोड़कर बनाई गई लगभग 4 घंटे का वन-कट वर्जन है। दिलचस्प बात यह है कि थिएटर्स में पहले से मौजूद 'थामा', 'एक दीवाने की दीवानियत' और 'कांतारा चैप्टर 1' की कमाई की रफ्तार जहां अब धीमी होने लगी है, वहीं नई फिल्मों से अधिक क्रेज 'बाहुबली: द एपिक' को लेकर है। कम से कम एडवांस बुकिंग के आंकड़े तो यही गवाही दे रहे हैं। कुल मिलाकर, अनुमान ये है कि प्रभास, राणा दग्गुबाती की यह फिल्म शुक्रवार को जबरदस्त कमाई करती हुई दिख रही है। प्रभास, राणा दग्गुबाती, अनुष्का शेट्टी, सत्यराज और तमन्ना भाटिया स्टारर 'बाहुबली: द एपिक' ने बुधवार रात तक प्रीमियर सहित पहले दिन की एडवांस बुकिंग से देश और विदेश मिलाकर कुल कमाई 10 करोड़ रुपए से ज्यादा की ग्रॉस बुकिंग कर ली है। इसमें से भारत में इसने प्री-बुकिंग से 5 करोड़ रुपए कमा लिए हैं।

द ताज स्टोरी

तुषार अमरीश गोयल के डायरेक्शन में बनी 'द ताज स्टोरी' में परेश रावल और जाकिर हुसैन प्रमुख भूमिका में हैं। यह एक कोर्टरूम ड्रामा फिल्म है, जिसकी कहानी के केंद्र में एक टूर गाइड है। वह ताजमहल की ऐतिहासिक उत्पत्ति पर सवाल उठाता है। इसके लिए कानूनी केस दायर करता है। परेश रावल की यह फिल्म ताजमहल की विरासत, इस विश्व प्रसिद्ध धरोहर के नीचे के 22 कमरों को लेकर किए जाने वाले दावे, इसकी आस्था और सच्चाई की पड़ताल करती है। फिल्म अपने टीजर रिलीज के बाद से ही आलोचनाओं के घेरे में रही है।

बाहुबलीः द एपिक

'बाहुबलीः द एपिक' की प्री-सेल्स पहले ही देश में पिछले दिनों री-रिलीज हुई फिल्मों की कमाई से ज्यादा हो चुकी है। ऐसे में यह निश्चित रूप से अब तक की सबसे बड़ी भारतीय री-रिलीज ग्रॉसर फिल्म बनने वाली है। बहुत आश्चर्य नहीं होगा, अगर 'बाहुबलीः द एपिक' बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए की कमाई का आंकड़ा पार कर ले। 'बाहुबलीः द एपिक' का रनटाइम 3 घंटे 45 मिनट है। बताया जाता है कि इसमें 'बाहुबलीः द बिगिनिंग' से लगभग 1 घंटा 42 मिनट और 'बाहुबलीः द कन्क्लूजन' से लगभग 2 घंटे 3 मिनट का रनटाइम लिया गया है।

सिंगल सलमा

नचिकेत सामंत के डायरेक्शन में बनी 'सिंगल सलमा' में हुमा कुरैशी, श्रेयस तलपड़े और सनी सिंह लीड रोल में हैं। यह एक रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, जिसकी कहानी लखनऊ में सेट है। केंद्र में सलमा का किरदार है, जिसकी उम्र 30 के पार हो चुकी है। उस पर शादी करने का दबाव है। लेकिन, सलमा अपना कॅरियर बनाना चाहती है। उसके माता-पिता सिकंदर के साथ उसकी शादी तय कर देते हैं, लेकिन ठीक उसी समय उसका पुराना प्यार, मीत उसकी जिंदगी में लंदन से लौट आता है। अब दो प्रेमियों और दो शादियों के चक्कर में उलझन भरी कॉमेडी शुरू होती है।

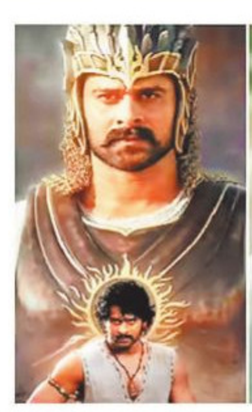

वन टू चा चा चा

अभिषेक राज और रजनीश ठाकुर के डायरेक्शन में बनी 'वन टू चा चा चा' एक कॉमेडी फिल्म है। इसमें ललित प्रभाकर और आशुतोष राणा प्रमुख किरदार में हैं। कहानी में कॉमेडी और ड्राम का मेल है, जो गलतफहमियों के इर्द-गिर्द घूमती है।

18 हार्टबीट्सः रिकॉर्डिंग लाइव

अनुराग झा के डायरेक्शन में बनी '18 हार्टबीट्सः रिकॉर्डिंग लाइव' एक म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म है। इसमें अवशी ठाकुर और रौनक चंदन लीड रोल में हैं। कहानी एक प्रोफेसर से शुरू होती है, जिसे एक पुरानी रिसर्च थ्योरी '18 हार्टबीट्स' मिलती है। यह दो पूर्व छात्रों के बीच एक भूली हुई प्रेम कहानी को फिर से जिंदा कर देती है।

भगवान पर अटूट आस्था से उबरने में मदद मिली : जेमिमा

एजेंसी ▸▸| नवी मुंबई

अपने नाबाद शतक से भारत को वनडे विश्व कप फाइनल में ले जाने के बाद भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश करते हुए जेमिमा रौड्रिग्स ने कहा कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में हरमनप्रीत कौर के आउट होने के बाद उन्हें फिर से फोकस करने में मदद मिली।

दबाव में बेहतरीन पारी खेलते हुए जेमिमा ने 134 गेंद में नाबाद 127 रन बनाए, जिसकी मदद से भारत ने रिकॉर्ड 339 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आस्ट्रेलिया को हराया। अब फाइनल में सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। जेमिमा ने कहा,' मैं हैरी दी से कह रही थी कि हम दोनों को जीत तक ले जाना है।' उन्होंने कहा,' जब वह आउट हुई तो मुझे फिर से फोकस करने में मदद मिली क्योंकि थकान के कारण मेरी एकाग्रता टूट रही थी। हरमन के आउट होने के बाद मुझे लगा कि अतिरिक्त

जिम्मेदारी से खेलना होगा। मैंने खुद से कहा कि वह आउट हो गई है तो उसके लिए मैं ही रन बनाऊंगी , मुझे टिककर खेलना है।' जेमिमा ने कहा,' इससे मेरा फोकस फिर बना और मैं समझदारी से खेलने लगी।' जेमिमा ने कहा कि भगवान पर अटूट आस्था से उन्हें बेचैनी से उबरने में मदद मिली

थकान के कारण खेले कुछ पेचीदा शॉट

जेमिमा ने कहा कि भगवान पर अटूट आस्था से उन्हें बेचैनी से उबरने में मदद मिली। उन्होंने कहा, 'मैं प्रार्थना कर रही थी। मैं खुद से बात कर रही थी क्योंकि काफी ऊर्जा खत्म हो चुकी थी । मैं थक गई थी और इसकी वजह से कुछ पेचीदा शॉट खेले। मैं सोच रही थी कि कैसे खेलूं। आक्रामक रहूं या अंत तक टिकी रहूं और मैंने सीखा कि अंत तक डटकर खेलना जरूरी था।' उन्होंने कहा,' मैं खुदा से बात कर रही थी क्योंकि मेरा मानना है कि मेरा उनसे निजी रिश्ता है और जब मैं खुद नहीं कर पाती तो वह मेरे लिए कर देते हैं।'

हमारी टीम ऑस्ट्रेलियाई तेवरों के साथ नहीं खेल सकी : हीली

एजेंसी ▸▸| नवी मुंबई

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एलिसा हीली ने भारतीय स्टार जेमिमा रौड्रिग्स की बेमिसाल मानसिक दृढ़ता की तारीफ की और कहा कि महिला वनडे विश्व कप के सेमीफाइनल में उनकी टीम आस्ट्रेलियाई तेवरों के साथ नहीं खेल सकी। हीली ने कहा,' हम चार या पांच ओवर बाकी रहते मैच में थे लेकिन क्रिकेट में मजेदार चीजें होती रहती है। अगर आप विरोधी टीम पर पर्याप्त दबाव नहीं बना सकते तो ऐसा होता है। जेमिमा ने शानदार पारी खेली।' उन्होंने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम ने कई गलतियां की, जो आम तौर पर टीम नहीं करती है।

जेमिमा की मानसिक दृढ़ता बेमिसाल

एलिसा हीली ने कहा,'हमने कई बार जरूरत से ज्यादा खराब गेंदें फेंकी और शायद हमने जो मौके बनाए, उनका फायदा नहीं उठा पाए। हम आम तौर पर जितने आक्रामक होते हैं, उतने आक्रामक नहीं थे और यह आस्ट्रेलियाई टीम जैसा प्रदर्शन नहीं था। यह जानते हुए कि हमने इस विश्व कप में कितना अच्छा खेला है, मुझे निराशा हो रही है ।' उन्होंने कहा,'हमने उसे कुछ मौके दिए, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। उसने शानदार पारी खेली। उसकी मानसिक दृढ़ता बेमिसाल थी और उसे इसका पूरा श्रेय जाता है।' हीली ने कहा कि उनकी टीम ने जो कैच टपकाए , उससे मैच की तस्वीर बदल गई ।

खबर संक्षेप

शानदार प्रदर्शन, जेमिमा और हरमनप्रीत : तेंदुलकर

नवी मुंबई। सचिन तेंदुलकर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की है, जिसने महिला वनडे विश्व कप सेमीफाइनल में रिकॉर्ड लक्ष्य का पीछा करके आस्ट्रेलिया पर यादगार जीत दर्ज की। तेंदुलकर ने जीत के बाद एक्स पर लिखा,'शानदार जीत। शानदार प्रदर्शन जेमिमा रौड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर। श्री चरणी और दीप्ति शर्मा ने गेंदबाजी से मैच को जीवंत बनाए रखा।' उन्होंने आगे लिखा,' तिरंगे का परचम लहराते रहो।' स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने लिखा ,'आस्ट्रेलिया जैसे दमदार विरोधी के खिलाफ हमारी टीम की शानदार जीत। जेमिमा का बड़े मैच में शानदार प्रदर्शन। दृढता, विश्वास और जुनून का असल प्रदर्शन। शानदार टीम इंडिया।'

अंडर-16 में रोनाल्डो के बेटे ने किया डेब्यू

अंताल्या। सुपरस्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो के बड़े बेटे ने पुर्तगाल की अंडर 16 टीम के लिए पदार्पण किया।

क्रिस्टियानिन्हो के नाम से मशहूर पंद्रह वर्ष के क्रिस्टियानो डोस सांतोस को तुर्की के खिलाफ फेडरेशंस कप टूर्नामेंट के मैच में 90वें मिनट में स्थानापन्न खिलाड़ी के तौर पर उतारा गया। पुर्तगाल ने यह मैच 2-0 से जीता। सउदी अरब में अल नासर की युवा अकादमी के लिए खेलने वाले क्रिस्टियानिन्हो को पहले पुर्तगाल की अंडर 15 टीम में भी शामिल किया गया था।

नार्थ कोस्ट ओपन के क्वार्टर फाइनल में रतिका

नई दिल्ली। भारत की रतिका एस सीलान आस्ट्रेलिया में नॉर्थ कोस्ट ओपन स्क्वाश के महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई।

सातवीं वरीयता प्राप्त तमिलनाडु की इस खिलाड़ी ने 6 हजार डॉलर ईनामी राशि के टूर्नामेंट में कीवी मैडेन ली को को प्री क्वार्टर फाइनल में 9-11 11-8 11-8 11-2 से हराया। अब वह तीसरी वरीयता प्राप्त हांगकांग की बोबो लैम से खेलेंगी। इस बीच अंडोरा में पीएसए चैलेंजर 12 पियरे और वाकांस टूर्नामेंट में तन्वी खन्ना को तीसरी वरीयता प्राप्त नूर खफागी ने क्वार्टर फाइनल में हराया।

गोलकीपर फ्रेडरिक का निधन

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के पूर्व गोलकीपर और म्युनिख ओलंपिक 1972 की कांस्य पदक विजेता टीम के सदस्य मैनुअल फ्रेडरिक का बेंगलुरू में निधन हो गया।

वह 78 वर्ष के थे और उनके परिवार में दो बेटियां हैं । वह पिछले दस महीने से प्रोस्टेट कैंसर से जूझ रहे थे। केरल के कन्नूर में 20 अक्टूबर 1947 को जन्मे फ्रेडरिक ओलंपिक पदक जीतने वाले प्रदेश के पहले खिलाड़ी थे। उनके अलावा केरल से पीआर श्रीजेश ने तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है और वह भी हॉकी गोलकीपर रहे हैं।

भारत को चार विकेट से हराकर ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला में 1-0 से आगे

टीम इंडिया को 17 साल बाद मिली मेलबर्न में हार, अभिषेक की टी20 में छठी फिफ्टी

एजेंसी ▸▸| मेलबर्न

जॉश हेजलवुड की कमाल की बॉलिंग के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने भारत को दूसरे टी20 मुकाबले में चार विकेट से हरा दिया। मेलबर्न में खेले गए मैच में भारतीय बैटिंग 18.4 ओवर में 125 रन पर ढेर हो गई। अभिषेक शर्मा ने 68 रन की पारी खेलकर टीम को 100 के पार पहुंचा दिया। इस दौरान अभिषेक शर्मा ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना पहला अर्धशतक जड़ा। इसके साथ ही टीम इंडिया को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 17 साल के बाद टी20 में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले भारत मेलबर्न में आखिरी बार 2008 में टी-20 मैच हारा था। ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान मिचेल मार्श के 46 रनों की पारी के दम पर 13.2 ओवर में ही जीत हासिल कर ली। भारत की तरफ से केवल अभिषेक और हर्षित राणा (35) ही दहाई का आंकड़ा पार कर सके। इन दोनों के बाद सात रन के साथ अक्षर पटेल सर्वोच्च स्कोरर रहे। चार भारतीय बल्लेबाजों के खाते नहीं खुले। अभिषेक ने इस बीच जबरदस्त बैटिंग की। उन्होंने टी20 इंटरनेशनल में छठी फिफ्टी ठोकी और 37 गेंद में आठ चौकों व दो छक्कों से 68 रन की पारी खेली।

2008 में हारा था आखिरी बार

इसके साथ ही टीम इंडिया को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में 17 साल के बाद टी20 में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले भारत मेलबर्न में आखिरी बार 2008 में टी-20 मैच हारा था। इस मैदान पर सबसे छोटे फॉर्मेट में टीम इंडिया का रिकॉर्ड काफी अच्छा रहा है। यहां भारत ने अब तक 7 मैच खेले हैं, जहां उन्हें 4 मैचों में जीत मिली है और दो में हार का सामना करना पड़ा। वहीं एक मैच का कोई नतीजा नहीं निकला था। टीम इंडिया ने इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया को दो बार और पाकिस्तान और जिम्बाब्वे को एक-एक बार हराया है।

टूट गया सूर्या का विनिंग स्ट्रीक

इसके साथ ही टीम इंडिया के कप्तान सूर्यकुमार यादव का भी लगातार 9 मैचों का विनिंग स्ट्रीक टूट गया। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में टीम इंडिया ने लगातार 9 मैचों में जीत दर्ज की है और अब 10वें मैच में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए कप्तान के तौर पर लगातार सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड रोहित शर्मा के नाम है। रोहित की कप्तानी में टीम इंडिया ने 2019-2022 तक लगातार 14 मैच जीते थे। उनके ही कप्तानी में टीम इंडिया ने 2024 में 11 मैच अपने नाम किए थे।

साल्ट-सूर्यकुमार के क्लब में शामिल हुए अभिषेक

इस मैच में अभिषेक शर्मा ने अपना अर्धशतक 23 गेंदों पर पूरा किया और टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में ये 7वां मौका था जब उन्होंने अपना अर्धशतक 25 से कम गेंदों पर पूरे किए। टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में इससे पहले सूर्यकुमार यादव और फिल साल्ट ने 7-7 बार 25 से कम गेंदों पर अर्धशतक लगाने का कमाल किया था। अब अभिषेक शर्मा इन दोनों खिलाड़ियों की बराबरी पर आ गए।

अभिषेक ने इस मैच में 37 गेंदों पर 2 छक्के और 8 चौकों की मदद से 68 रन की पारी खेली। ये टी20आई में कंगारू टीम के खिलाफ उनका बेस्ट स्कोर भी रहा।

मार्श-हेड की तूफानी बैटिंग

लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया को पहले दो ओवर में रन जुटाने में दिक्कत हुई। लेकिन इसके बाद ट्रेविस हेड (28) और मार्श ने हाथ खोले। दोनों ने कुछ बड़े शॉट्स लगाते हुए पांचवें ओवर में टीम को 50 के पार पहुंचा दिया। खतरनाक अंदाज में खेल रहे हेड तीन चौके व एक छक्के से सजी पारी खेलकर वरुण चक्रवर्ती की गेंद को उड़ाते हुए बाउंड्री पर तिलक वर्मा के हाथों लपके गए। मार्श ने पावरप्ले के बाद भारतीय स्पिनर्स के आने पर गियर बदला। उन्होंने आठवें ओवर में कुलदीप यादव को निशाने पर लिया और दो चौके व दो छक्के लगाकर कुल 20 रन बटोरे। लेकिन आखिरी गेंद पर अभिषेक शर्मा को कैच दे बैठे। उन्होंने 46 रन की पारी खेली। इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई मिडिल ऑर्डर लड़खड़ा गया. टिम डेविड (1), मैथ्यू शॉर्ट (0) सस्ते में निपट गए। हालांकि जॉश इंग्लिस (20) और मिचेल ऑवन (14) की छोटी लेकिन उपयोगी पारियों से टीम लक्ष्य के करीब पहुंच गई। भारत की तरफ से जसप्रीत बुमराह ने 26 रन, चक्रवर्ती ने 23 और कुलदीप यादव ने 45 रन देकर दो-दो शिकार किए।

भारत फिर हारा टॉस

टॉस के मामले में भारतीय कप्तान एक बार फिर से अनलकी रही। ऐसे में टीम इंडिया को पहले बैटिंग करने का मौका मिला। जॉश हेजलवुड ने पहली गेंद से बता दिया कि भारत के लिए मुश्किल होने वाली है। शुभमन गिल डीआरएस के चलते एलबीडब्ल्यू से बचे। लेकिन तीसरे ओवर में हेजलवुड ने उन्हें फंसा ही लिया। भारतीय टीम के उपकप्तान 10 गेंद में पांच रन बनाकर आउट हुए। संजू सैमसन तीसरे नंबर पर भेजे गए लेकिन दो रन बना पाए और नाथन एलिस की गेंद पर एलबीडब्ल्यू करार दिए गए।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
गिल का मार्श बो हेजलवुड	05	10	0	0
अभिषेक पगबाधा बो एलिस	68	37	8	2
सैमसन पगबाधा बो एलिस	02	04	0	0
यादव का इंग्लिस बो हेजलवुड	01	04	0	0
तिलक का इंग्लिस बो हेजलवुड	00	02	0	0
अक्षर पटेल रन आउट	07	12	0	0
राणा का डेविड बो बार्टलेट	35	33	3	1
दुबे का इंग्लिस बो बार्टलेट	04	02	1	0
कुलदीप का सब बो स्टोइनिस	00	05	0	0
वरुण चक्रवर्ती नाबाद	00	01	0	0
जसप्रीत बुमराह रन आउट	00	01	0	0

अतिरिक्त : 03, कुल योग : 18.4 ओवर में 125/10रन
गेंदबाजी : हेजलवुड 4-0-13-3, बार्टलेट 4-0-39-2, एलिस 3.4-0-21-2, स्टोइनिस 4-0-24-1, ओवेन 1-0-13-0, कुहनेमैन 2-0-14-0

ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4	6
मार्श का अभिषेक बो कुलदीप	46	26	2	4
हेड का तिलक बो चक्रवर्ती	28	15	3	1
इंग्लिस पगबाधा बो कुलदीप	20	20	1	0
डेविड का एव बो चक्रवर्ती	01	02	0	0
ओवेन का सैमसन बो बुमराह	14	10	0	1
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	06	06	0	0
मैथ्यू शॉर्ट बो बुमराह	00	01	0	0
जेवियर बार्टलेट नाबाद	00	01	0	0

अतिरिक्त : 11 , कुल योग : 13.2 ओवर में 126/6 रन
गेंदबाजी : जसप्रीत बुमराह 4-0-26-2, हर्षित राणा 2-0-27-0, वरुण चक्रवर्ती 4-0-23-2, कुलदीप यादव 3.2-0-45-2.

म्हात्रे ने लगाया तूफानी अर्धशतक, टेस्ट में की टी20 जैसी बल्लेबाजी

बेंगलुरु। युवा बल्लेबाज आयुष म्हात्रे ने इंडिया ए के लिए खेलते हुए साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ पहले अनाधिकारिक टेस्ट में तूफानी अर्धशतक लगाया। बेंगलुरु में खेले जा रहे मुकाबले के दूसरे दिन उन्होंने 76 गेंद में 65 रन की पारी खेली, जिसमें 10 चौके शामिल रहे। आयुष म्हात्रे ने ओपनिंग करते हुए अर्धशतक का आंकड़ा तो केवल 46 गेंद में पार कर लिया। इस दौरान नौ चौके वे लगा चुके थे। तब भारत का स्कोर 64 रन था। उनके और साई सुदर्शन के बीच पहले विकेट के लिए 22 ओवर में 90 रन की साझेदारी हुई। इनमें से 65 रन अकेले म्हात्रे के थे। मुंबई से आने वाले इस बल्लेबाज को पहली बार इंडिया ए टीम में चुना गया है। उनकी उम्र केवल 18 साल है और इंडिया अंडर 19 टीम के साथ हाल ही में इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया दौरे पर नाकाम रहे थे। लेकिन सेलेक्टर्स ने भविष्य को देखते हुए म्हात्रे पर भरोसा जताया और उन्हें इंडिया ए में जगह दी। इस बल्लेबाज ने इस भरोसे को सही साबित किया और तेजी से रन जुटाए। अनाधिकारिक टेस्ट में वे टी20 स्टाइल में खेलते दिखे। दूसरी तरफ उनके सीनियर साथी सुदर्शन ने काफी समय लिया। उन्होंने जोखिम से दूरी बनाई। उन्होंने 94 गेंद में तीन चौकों से 32 रन की पारी खेली।

आज से फिडे विश्व कप

प्रज्ञानानंदा, अर्जुन और गुकेश करेंगे छाप छोड़ने की कोशिश

एजेंसी ▸▸| पणजी

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा शनिवार से शुरू हो रहे फिडे विश्व कप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दोहराने की कोशिश करेंगे, जिसमें दुनिया की शीर्ष तीन रैंकिंग में काबिज खिलाड़ी अनुपस्थित रहेंगे।

नॉर्वे के मैग्नस कार्लसन के अलावा अमेरिका के हिकारु नाकामुरा और फैबियानो कारुआना की जोड़ी इस टूर्नामेंट में नहीं खेलेगी। विश्व चैंपियन गुकेश और अर्जुन एरिगेसी 20 लाख अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ने की कोशिश करेंगे।

पर सबसे अहम चीज यह है कि इस टूर्नामेंट से 2026 फिडे कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए तीन क्वालीफिकेशन स्थान सुनिश्चित होंगे। कैंडिडेट्स टूर्नामेंट से अगले साल होने वाले विश्व चैंपियनशिप मैच का खिलाड़ी तय होगा।

गोवा में 80 देशों के 206 शीर्ष शतरंज खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

गोवा में अगले चार हफ्तों तक 80 देशों के 206 शीर्ष शतरंज खिलाड़ी आठ दौर वाले एकल एलिमिनेशन नॉकआउट टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। प्रत्येक मैच में निश्चित समय में दो क्लासिकल बाजियां होंगी। अगर क्लासिकल बाजियों के बाद स्कोर बराबर रहता है तो खिलाड़ी तीसरे दिन रैपिड और ब्लिट्ज टाई-ब्रेक की एक श्रृंखला खेलेंगे, जिससे यह तय होगा कि कौन आगे बढ़ेगा। भारत के शीर्ष तीन खिलाड़ियों में गुकेश विश्व चैंपियन हैं और उन्हें अगले साल के अंत में विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई करने के लिए कैंडिडेट्स चक्र से गुजरने की जरूरत नहीं है, जिससे उन पर दबाव कम होगा। प्रज्ञानानंदा की अगले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह लगभग पक्की है जबकि एरिगेसी अगले साल की शुरुआत में होने वाले इस टूर्नामेंट में जगह बनाने की कोशिश में जुटे हैं।

आईजीपीएल रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचे अमन राज

कोलकाता। गोल्फर अमन राज ने टॉलीगंज गोल्फ क्लब में आईजीपीएल आमंत्रण टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की, जिससे वह आईजीपीएल ऑर्डर ऑफ मेरिट में भी शीर्ष पर पहुंच गए। अमन इस तरह गगनजीत भुल्लर के बाद इस सत्र में कई टूर्नामेंट जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी बन गए। साथ ही अमन पांच टूर्नामेंट से 50 लाख रुपए की कमाई करने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। अमन (68) ने 17 वर्षीय वीर गणपति को पछाड़ते हुए खिताब जीता। उन्होंने पिछले हफ्ते जयपुर में भी खिताब जीता था।

संधू को प्लेऑफ में हराकर शौर्य ने जीता खिताब

एजेंसी ▸▸| पुणे

तीसरे दौर के बाद दो शॉट से पिछड़ रहे गोल्फर शौर्य भट्टाचार्य ने प्रबल दावेदार युवराज संधू को पूना क्लब ओपन के प्लेऑफ में हराकर जीत हासिल की। शौर्य (69-63-67-64) ने अंतिम दौर में सात अंडर 64 का शानदार स्कोर बनाया और यह दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर भी रहा। उन्होंने कुल 21 अंडर 263 का स्कोर बनाया और प्लेऑफ में बर्डी लगाकर युवराज को पछाड़ दिया। इस तरह शौर्य ने इस सत्र का दूसरा और कुल मिलाकर तीसरा खिताब था।

इस जीत से उन्हें 15 लाख रुपये का चेक मिला और उन्होंने पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में अपना चौथा स्थान मजबूत किया। उनकी इस सत्र की में उनकी कमाई 83,02,392 रुपए हो गई। संधू (65-67-65-66) का भी कुल स्कोर 21 अंडर 263 रहा। उन्होंने चौथे दौर में 66 का कार्ड खेला। लेकिन प्लेऑफ में हारकर उप विजेता रहे। वीर अहलावत और शिवेंद्र सिंह सिसोदिया 12 अंडर 272 से संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे।

उन्नति सेमीफाइनल में, लक्ष्य, जॉर्ज और आयुष का अभियान समाप्त

भाषा ▸▸| सारब्रकेन (जर्मनी)

भारतीय शटलरों के लिए शुक्रवार को हाइलो ओपन में दिन मिला-जुला रहा जिसमें उभरती हुई स्टार उन्नति हुड्डा सेमीफाइनल में पहुंच गईं लेकिन लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और किरण जॉर्ज तीनों का अभियान पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हुआ। विश्व रैंकिंग में 34वें स्थान पर काबिज उन्नति ने चौथी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे की सियांग टी लिन को 47 मिनट में 22-20, 21-13 से हराकर उलटफेर किया जिससे भारतीय शटलर ने इस साल मई में मलेशिया मास्टर्स में इसी प्रतिद्वंद्वी से मिली हार का बदला ले लिया। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई पुत्री कुसुमा

वर्दानी और अजरबेजान की कीशा फातिमा अज्जाहरा के बीच होने वाले दूसरे क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। सेन ने पुरुष एकल में फ्रांस के चौथे वरीय एलेक्स लैनियर के खिलाफ शुरुआती गेम हारने के बाद वापसी की, लेकिन अंततः एक घंटे 14 मिनट तक कड़ी टक्कर देने के बाद 17-21, 21-14, 15-21 से हार गए। इस सत्र में लैनियर के खिलाफ सेन की यह दूसरी हार थी, इससे पहले वह इसी महीने डेनमार्क ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी इसी फ्रांसीसी खिलाड़ी से हार चुके हैं। वहीं शेट्टी ने फिनलैंड के काल्ले कोलजोनेन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में बढ़त बनाई लेकिन 68 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 21-19, 12-21, 20-22 से हार गए। दिलचस्प बात यह है कि शेट्टी ने 2024 में इसी टूर्नामेंट में इसी प्रतिद्वंद्वी को हराया था। किरण जॉर्ज का अभियान भी क्वार्टरफाइनल में हारकर खत्म हो गया। वह दुनिया के पांचवें नंबर के खिलाड़ी और दूसरे वरीय इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से 39 मिनट में 16-21, 10-21 से हार गए।

कोपा डेल रे के पहले दौर के मैचों में नहीं हुआ कोई बड़ा उलटफेर

एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को 2-1 से हराया

एजेंसी ▸▸| मैड्रिड

कोपा डेल रे के पहले दौर के मैचों के तीसरे दिन कोई बड़ा उलटफेर देखने को नहीं मिला। एक ओर एस्पेनयोल ने एटलेटिक लिडा को हराया, तो दूसरी तरफ लेवांटे ने जीत दर्ज की। एस्पेनयोल ने स्पेनिश खेल के चौथे टियर में खेलने वाली एटलेटिक लिडा के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज की। इस टीम के लिए दोनों गोल किके गार्सिया ने दागे।

किके ने दूसरे मिनट में पेनाल्टी के साथ स्कोरिंग की शुरुआत की, लेकिन एटलेटिक लिडा ने एल्डो वन की बदौलत तीन मिनट बाद ही स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद किके ने हाफटाइम से ठीक पहले एस्पेनयोल को फिर से बढ़त दिलाई, लेकिन शीर्ष स्तर की टीम को अंतिम मिनटों में तनावभरे पलों का सामना करना पड़ा।

सेल्टा विगो ने किया दूसरे दौर में प्रवेश

वहीं, सेल्टा विगो ने कमजोर प्यूर्टो डी वेगा को 2-0 से शिकस्त देकर दूसरे दौर में आसानी से प्रवेश कर लिया है। रियल बेटिस को भी पाल्मा डेल रियो के खिलाफ 7-1 से जीत हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं हुई। कोपा का दूसरा दौर 2 से 4 दिसंबर के बीच खेला जाएगा।

लेवांटे ने ओरिहुएला के खिलाफ 4-3 से दर्ज की जीत

एक अन्य मैच में लेवांटे ने चौथे टियर के ओरिहुएला के खिलाफ 4-3 से जीत दर्ज की। यह 7 गोल वाला एक रोमांचक मैच रहा। उनाई एल्गेजाबल और जोस लुइस मोरालेस के गोल ने 11 मिनट में ही लेवांटे को मुकाबले में 2-0 से आगे कर दिया था। शीर्ष स्तर की टीम के लिए यह मुकाबला आसान लग रहा था, लेकिन इसी बीच जेवियर सोल्सोना की पेनाल्टी ने ओरिहुएला को मैच में वापस ला दिया। कार्लोस एस्पी ने 48वें मिनट में गोल दागते हुए लेवांटे को फिर से 2 गोल की बढ़त दिलाई, लेकिन गोंजालो मिरांडे ने तीन मिनट बाद ही लेवांटे की बढ़त फिर से कम कर दी। हेक्टर अयोडेले ने आखिरी मिनट में गोल दागते हुए स्कोर 3-3 पर पहुंचा दिया, लेकिन एस्पी ने 92वें मिनट में विजयी गोल करके लेवांटे को जीत दिलाई।

केरल में खत्म हुई अत्यधिक गरीबी, देश का पहला राज्य बना- CM पिनाराई

-विपक्ष ने कहा- यह फ्रॉड है

तिरुवनंतपुरम । केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को विधानसभा में एक ऐतिहासिक घोषणा करते हुए कहा कि राज्य अब "अत्यधिक गरीबी से मुक्त" हो चुका है। यह कदम केरल को देश का पहला ऐसा राज्य बना देता है जिसने अपने नागरिकों को अत्यधिक गरीबी की स्थिति से बाहर निकालने में सफलता हासिल की है। मुख्यमंत्री ने यह ऐलान केरल पिरवी (राज्य स्थापना दिवस) के विशेष सत्र में किया।

मुख्यमंत्री विजयन ने बताया कि यह उपलब्धि राज्य सरकार की अत्यधिक गरीबी उन्मूलन परियोजना (Extreme Poverty Eradication Project – EPAP) के तहत संभव हुई है। इस परियोजना की शुरुआत 2021 में की गई थी, जिसका लक्ष्य राज्य के उन परिवारों को चिन्हित करना था जो सबसे अधिक आर्थिक और सामाजिक पिछड़ेपन से जूझ रहे थे। सरकार ने ऐसे 64,006 परिवारों की पहचान की थी, जो अत्यधिक गरीबी की श्रेणी में आते थे। पिछले चार वर्षों के भीतर इन परिवारों को मुख्यधारा की जिंदगी में लाने के लिए सरकार ने ₹1,000 करोड़ से अधिक का निवेश किया। इस निवेश से परिवारों को भोजन, आवास, स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा, रोज़गार के अवसर और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़ा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक परिवार को आधार, राशन कार्ड, बैंक खाता, पेंशन और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया गया। मुख्यमंत्री ने विधानसभा में कहा— "यह केवल एक सरकारी परियोजना नहीं, बल्कि मानवीय गरिमा को बहाल करने का अभियान था। हमने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी नागरिक भूखा न सोए, कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे और कोई बुजुर्ग बिना देखभाल के न रहे।" वहीं, विपक्षी पार्टियों ने इस घोषणा का बहिष्कार किया और इसे "राजनीतिक दिखावा" और "डेटा में हेराफेरी" करार दिया। विपक्ष का आरोप है कि राज्य सरकार ने वास्तविक आंकड़ों को छिपाकर यह दावा पेश किया है, जबकि कई इलाकों में अब भी लोग बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। विपक्ष ने कहा कि राज्य में बेरोजगारी, महंगाई और बढ़ते कर्ज के कारण गरीब तबके की स्थिति उतनी सुधरी नहीं जितना सरकार बता रही है। फिर भी, केरल की इस पहल को सामाजिक नीति के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। देश के अन्य राज्यों के लिए यह मॉडल बन सकता है कि किस तरह से योजनाओं के समन्वय और सामुदायिक भागीदारी से अत्यधिक गरीबी जैसी चुनौती को मिटाया जा सकता है। पिनाराई विजयन ने कहा कि यह केवल शुरुआत है — "हमारा लक्ष्य अब गरीबी के हर रूप को समाप्त करना और एक समान अवसर वाला समाज बनाना है।

बिहार चुनाव में गरमाई सियासत: नीतीश बोले- "अब बिहारी कहलाना गर्व की बात"

-खेसारी बोले- "जंगलराज में भी लोग जिंदा तो रहते थे"

नई दिल्ली । बिहार की सियासत एक बार फिर गरमाती नज़र आ रही है। विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आरजेडी प्रत्याशी खेसारी लाल यादव के बयानों ने माहौल को और दिलचस्प बना दिया है। जहां नीतीश कुमार ने अपने कार्यकाल को बिहार के "गौरव युग" की संज्ञा दी, वहीं खेसारी लाल ने 'जंगलराज' की याद दिलाते हुए कहा कि "तब भी लोग जिंदा तो रहते थे, आज तो इंसान ही खत्म हो रहा है।"

नीतीश बोले – "अब बिहारी कहलाना गर्व की बात"-

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को जनता से सीधी अपील करते हुए कहा कि आज 'बिहारी' कहलाना गर्व की बात है। उन्होंने अपने वीडियो संदेश में कहा, "नवंबर 2005 में जब हमारी सरकार बनी थी, तब बिहार में अराजकता, भय और भ्रष्टाचार का माहौल था। हमने कानून-व्यवस्था सुधारी, शिक्षा और सड़क व्यवस्था को दुरुस्त किया। आज बिहार का नाम देश के विकसित राज्यों की सूची में शामिल हो रहा है।" नीतीश ने कहा कि उन्होंने अपने परिवार के लिए कुछ नहीं, बल्कि राज्य के विकास के लिए काम किया है। उन्होंने कहा, "मैंने हमेशा बिहार की तरक्की को प्राथमिकता दी है। जो भी योजनाएं बनीं, वे लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए थीं।" मुख्यमंत्री ने लोगों से अपील की कि आगामी विधानसभा चुनाव में फिर से एनडीए को मौका दिया जाए ताकि राज्य में विकास की गति बनी रहे। उन्होंने दावा किया कि आज बिहार में कानून-व्यवस्था मजबूत, महिलाओं की सुरक्षा बेहतर, और युवाओं के लिए अवसर बढ़े हैं।

खेसारी लाल का पलटवार – "जंगलराज में भी इंसान जिंदा था"-

वहीं दूसरी ओर, भोजपुरी स्टार और आरजेडी उम्मीदवार खेसारी लाल यादव ने मुख्यमंत्री के दावों पर सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि "नीतीश कुमार का सुशासन" केवल आंकड़ों और भाषणों तक सीमित है, ज़मीन पर हालात आज भी खराब हैं। खेसारी ने कहा, "लालू यादव का जंगलराज ही अच्छा था। लोग पैसे देकर जिंदा तो रहते थे। आज तो इंसान ही खत्म हो जा रहा है। तब रोजगार नहीं था, पर अब भी नहीं है। बस फर्क इतना है कि तब लोग एक-दूसरे की मदद करते थे, अब इंसानियत खत्म हो चुकी है।" उन्होंने यह भी कहा कि आज बिहार के नौजवान रोजगार के लिए बाहर भटक रहे हैं। "अगर सरकार रोजगार दे दे, तो मर्डर और किडनैपिंग की नौबत ही न आए। बात हत्या-अपहरण की नहीं, रोजगार की है। जब पेट खाली हो तो इंसान गलत राह पर चल पड़ता है," खेसारी बोले।

कानून-व्यवस्था और रोजगार बना चुनावी मुद्दा-

नीतीश कुमार के शासनकाल में कानून-व्यवस्था सुधारने के दावे अक्सर उनके राजनीतिक भाषणों का हिस्सा रहे हैं। लेकिन विपक्ष, विशेषकर आरजेडी, बार-बार यह आरोप लगाती रही है कि राज्य में अपराध फिर से बढ़ रहे हैं और बेरोज़गारी ने युवाओं को निराश कर दिया है। विश्लेषकों का मानना है कि बिहार में "सुशासन बनाम रोजगार" इस बार का मुख्य चुनावी मुद्दा रहेगा। जहां एनडीए सरकार अपनी उपलब्धियों जैसे सड़क, बिजली, और महिला सशक्तिकरण पर वोट मांगेगी, वहीं आरजेडी बेरोजगारी, पलायन और महंगाई जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरने की कोशिश करेगी।

चुनावी तस्वीर-

बिहार विधानसभा की 243 सीटों के लिए चुनाव दो चरणों में होंगे – 6 नवंबर और 11 नवंबर को मतदान होगा, जबकि 14 नवंबर को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

राज्य में इस बार मुकाबला काफी दिलचस्प माना जा रहा है। एनडीए के नेतृत्व में जेडीयू और भाजपा एक साथ हैं, जबकि विपक्ष में आरजेडी, कांग्रेस और वाम दलों का गठबंधन मैदान में उतर रहा है।

मुंबई में MVA-MNS की चुनाव आयोग के खिलाफ रैली

-पुलिस ने नहीं दी अनुमति, फिर भी उद्धव-राज ठाकरे साथ नजर आएंगे

मुंबई । महाराष्ट्र की राजनीति में आज एक बड़ा और प्रतीकात्मक दिन माना जा रहा है। महा विकास अघाड़ी (MVA) — जिसमें शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे), कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र Pawar गुट) शामिल हं — और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) आज मुंबई में मिलकर एक संयुक्त रैली करने वाले हैं। यह रैली चुनाव आयोग के खिलाफ है, जिसे विपक्षी दल "मतदाता सूची में भारी गड़बड़ी" के विरोध के तौर पर पेश कर रहे हैं। विपक्ष का आरोप है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में चुनाव आयोग ने लगभग 96 लाख फर्जी वोटर्स जोड़े थे। इन दलों का कहना है कि यह एक सुनियोजित साजिश थी ताकि सत्ता पक्ष को फायदा पहुंचाया जा सके। इस मुद्दे को पहले मनसे प्रमुख राज ठाकरे ने 26 अक्टूबर को सार्वजनिक रूप से उठाया था। उन्होंने लोकल बॉडी इलेक्शन से पहले यह दावा किया था कि आयोग ने मतदाता सूची में बड़ी हेराफेरी की है, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं। इस रैली की सबसे बड़ी चर्चा का विषय यह है कि लंबे समय बाद उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक ही मंच पर नजर आ सकते हैं। दोनों भाई करीब दो दशक से राजनीतिक रूप से अलग रास्ते पर चल रहे हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना अब एमवीए का हिस्सा है, जबकि राज ठाकरे की मनसे आमतौर पर स्वतंत्र राजनीतिक रुख रखती है। दोनों का एक साथ आना महाराष्ट्र की राजनीति में नए समीकरणों का संकेत माना जा रहा है। रैली को लेकर मुंबई पुलिस ने सुरक्षा कारणों से अनुमति नहीं दी है। पुलिस का कहना है कि शहर में पहले से ही कई कार्यक्रम तय हैं और कानून-व्यवस्था को देखते हुए रैली की मंजूरी नहीं दी जा सकती। इसके बावजूद, आयोजकों ने घोषणा की है कि रैली दोपहर 1 बजे मेट्रो सिनेमा से शुरू होकर बीएमसी मुख्यालय तक जाएगी। एमवीए और मनसे नेताओं का कहना है कि यह आंदोलन जनता की आवाज उठाने के लिए है, न कि किसी राजनीतिक लाभ के लिए। उनका दावा है कि अगर मतदाता सूची में हेराफेरी रोकी नहीं गई तो यह लोकतंत्र पर सीधा हमला होगा। शिवसेना (उद्धव गुट) के नेताओं ने कहा कि यह "जनादेश की चोरी" का मामला है, जबकि एनसीपी और कांग्रेस नेताओं ने भी चुनाव आयोग से जवाबदेही की मांग की है। राज ठाकरे के करीबी सूत्रों का कहना है कि वह इस मुद्दे को लेकर गंभीर हैं और अगर आयोग ने जांच नहीं की, तो मनसे राज्यभर में बड़ा आंदोलन छेड़ेगी। वहीं एमवीए नेताओं का कहना है कि इस रैली का उद्देश्य विपक्षी एकजुटता दिखाना भी है। इस रैली पर राज्य सरकार और चुनाव आयोग दोनों की निगाहें टिकी हैं। यह स्पष्ट है कि मुंबई की सड़कों पर आज सिर्फ नारों की गूंज नहीं होगी, बल्कि यह रैली आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले राजनीतिक गठजोड़ और रणनीति की दिशा भी तय कर सकती है।

हरिकेन मेलिसा से तबाह जमैका

-लोग कीचड़-मलबे में ढूंढ़ रहे खाना, भूख-प्यास से हालात बदतर

किंग्सटन (एजेंसी)। जमैका इस समय विनाश की भीषण तस्वीर झेल रहा है। कैटेगरी-5 के हरिकेन मेलिसा के टकराने के बाद देश के कई हिस्सों में जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया है। सबसे ज़्यादा प्रभावित इलाकों में ब्लैक रिवर शहर शामिल है, जहां लोग अब कीचड़ और मलबे में खाना और पानी तलाशने पर मजबूर हैं। BBC की रिपोर्ट के मुताबिक, तूफान के गुजरने के तीन दिन बाद भी हालात सामान्य होने की कोई उम्मीद नहीं है। शहर में न बिजली है, न साफ पानी। संचार व्यवस्था पूरी तरह ठप हो चुकी है। मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट बंद हैं, जिससे लोगों का अपने परिवारों से संपर्क टूट गया है। सड़कों पर हर तरफ कीचड़, टूटे मकान, पलटी नावें और बिखरे वाहन दिखाई दे रहे हैं। कई घरों के अंदर अब भी बाढ़ का पानी भरा हुआ है, जिससे सड़ांध फैल रही है। पशु-आश्रयों में मरे हुए जानवरों की लाशें सड़ने लगी हैं और संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ गया है। भूख और प्यास से बेहाल लोग अब टूटी दुकानों और सुपरमार्केटों से खाने-पीने का सामान निकाल रहे हैं। कई जगहों पर लोग बचे-खुचे डिब्बाबंद सामान और पानी की बोतलें खोजते दिखे। राहत सामग्री पहुंचाने वाली सरकारी एजेंसियां और स्वयंसेवी संगठन खराब मौसम और बंद सड़कों के कारण प्रभावित इलाकों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि सैकड़ों घर पूरी तरह तबाह हो चुके हैं, और हजारों लोग बेघर हो गए हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, कम से कम 40 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई लापता हैं। अस्पतालों में भी बिजली और दवा की कमी है, जिससे इलाज मुश्किल हो गया है।

दिल्ली में BS-3 डीजल ट्रकों की एंट्री बैन

-CAQM का पॉल्यूशन रोकने के लिए सख्त फैसला

नई दिल्ली । दिल्ली-NCR में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता को देखते हुए कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (CAQM) ने सख्त कदम उठाया है। आयोग ने शुक्रवार को आदेश जारी करते हुए कहा कि अब दूसरे राज्यों के पुराने BS-3 मानक वाले डीजल ट्रक और माल ढोने वाले वाहनों को दिल्ली में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। यह फैसला 1 नवंबर 2025 से प्रभावी हो गया है।

कौन-कौन से वाहन बैन की श्रेणी में आएंगे?-

CAQM के मुताबिक, दिल्ली में दूसरे राज्यों में रजिस्टर्ड लाइट गुड्स व्हीकल्स (LGVs), मीडियम गुड्स व्हीकल्स (MGVs) और हैवी गुड्स व्हीकल्स (HGVs) जो BS-6 मानक के तहत नहीं आते, उनकी एंट्री पूरी तरह से प्रतिबंधित कर दी गई है। इसका सीधा मतलब यह है कि BS-3 और BS-4 मानक वाले पुराने डीजल ट्रक अब दिल्ली में नहीं चल सकेंगे। हालांकि, एक सीमित राहत के तौर पर दूसरे राज्यों के BS-4 मानक वाले कॉमर्शियल गुड्स व्हीकल्स को 31 अक्टूबर 2026 तक दिल्ली में प्रवेश की अनुमति दी गई है। इसके बाद उन्हें भी चरणबद्ध तरीके से हटाया जाएगा।

किन वाहनों को छूट मिलेगी?

CAQM ने साफ किया है कि दिल्ली में रजिस्टर्ड कॉमर्शियल गुड्स व्हीकल्स, या फिर CNG, LNG और इलेक्ट्रिक वाहनों की एंट्री पर कोई रोक नहीं होगी। यानी ग्रीन फ्यूल से चलने वाले या स्थानीय स्तर पर पंजीकृत वाहन पहले की तरह चल सकेंगे। यह कदम राजधानी की सड़कों पर प्रदूषण फैलाने वाले डीजल वाहनों की संख्या को कम करने की दिशा में उठाया गया है। खासतौर पर सर्दियों में जब हवा की गति धीमी पड़ जाती है, तब धूल और डीजल इंजन से निकलने वाला धुआं दिल्ली की हवा को और ज्यादा जहरीला बना देता है।

क्यों ज़रूरी पड़ा यह कदम?

दिल्ली में हर साल सर्दियों के मौसम में एयर क्वालिटी इंडेक्स (AQI) 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच जाता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) के आंकड़ों के अनुसार, प्रदूषण के प्रमुख कारणों में वाहन उत्सर्जन, निर्माण कार्य, औद्योगिक धुआं और पराली जलाना शामिल हैं। इनमें वाहनों से होने वाला उत्सर्जन सबसे बड़ी हिस्सेदारी रखता है। 2022-23 के आंकड़ों के मुताबिक, दिल्ली में लगभग 79.45 लाख रजिस्टर्ड कॉमर्शियल वाहन हैं। इनमें से बड़ी संख्या डीजल इंजन वाले पुराने वाहनों की है जो न सिर्फ वायु को दूषित करते हैं, बल्कि स्मॉग और सांस संबंधी बीमारियों के प्रसार में भी अहम भूमिका निभाते हैं।

भारत-अमेरिका 10 साल का रक्षा समझौता

-एडवांस ड्रोन और AI हथियारों पर होगी जॉइंट रिसर्च

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत और अमेरिका ने शुक्रवार को 10 साल के नए रक्षा समझौते (Defence Framework Agreement) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाएगा। समझौते के तहत आने वाले एक दशक तक भारत और अमेरिका रक्षा तकनीक, उद्योग, प्रशिक्षण और खुफिया जानकारी के क्षेत्र में मिलकर काम करेंगे। यह एग्रीमेंट 31 अक्टूबर को मलेशिया की राजधानी कुआलालंपुर में हुआ, जहां दोनों देशों के रक्षा मंत्री — राजनाथ सिंह और अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ — ASEAN रक्षा मंत्रियों की बैठक (ADMM-Plus) में शामिल थे। दोनों नेताओं ने इस मौके पर समझौते पर दस्तखत किए, जिसे भारत-अमेरिका की रणनीतिक साझेदारी में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। इस समझौते से भारत को चार प्रमुख लाभ होंगे। पहला, सैन्य सहयोग में वृद्धि — दोनों देशों की सेनाएं मिलकर संयुक्त प्रशिक्षण और सैन्य अभ्यास करेंगी, जिससे सामरिक तालमेल मजबूत होगा। दूसरा, संयुक्त उत्पादन — भारत और अमेरिका मिलकर हथियार, रक्षा उपकरण और उन्नत तकनीकी सिस्टम तैयार करेंगे। तीसरा, टेक्नोलॉजी शेयरिंग — अमेरिका भारत के साथ अपनी एडवांस रक्षा तकनीक साझा करेगा, जिसमें AI आधारित हथियार और अत्याधुनिक ड्रोन शामिल हैं। चौथा, सूचना और खुफिया सहयोग।

H-1B वीजा पर ट्रम्प सरकार का निशाना

-कंपनियों पर अमेरिकन ड्रीम चुराने का आरोप

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। अमेरिका में ट्रम्प प्रशासन ने एक बार फिर H-1B वीजा को लेकर बड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। अमेरिकी लेबर डिपार्टमेंट ने एक वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि कई कंपनियों ने इस वीजा का गलत इस्तेमाल किया है। वीडियो में कहा गया कि कंपनियों ने कम वेतन पर विदेशी कर्मचारियों को नौकरी दी और इस प्रक्रिया में अमेरिकी युवाओं से उनका 'अमेरिकन ड्रीम' छीन लिया। लेबर डिपार्टमेंट के मुताबिक, कुछ कंपनियां जानबूझकर विदेशी कर्मचारियों को प्राथमिकता दे रही हैं ताकि उन्हें कम सैलरी पर काम कराया जा सके। इससे न केवल अमेरिकी नागरिकों के रोजगार के अवसर घटे हैं, बल्कि श्रम बाजार में असमानता भी बढ़ी है। वीडियो में यह भी बताया गया कि H-1B वीजा होल्डर्स में सबसे बड़ा हिस्सा भारतीयों का है — लगभग 72%। इसके बाद 12% हिस्सा चीनी नागरिकों का है। इस डेटा को दिखाकर ट्रम्प प्रशासन ने यह सवाल उठाया है कि आखिर क्यों अमेरिकी कंपनियां अपने ही देश के युवाओं को दरकिनार कर विदेशियों को तरजीह दे रही हैं।

वीडियो के नरेटर ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और लेबर सेक्रेटरी लोरी चावेज-डेरमर की लीडरशिप में सरकार उन कंपनियों को जवाबदेह ठहराने के लिए कदम उठा रही है जो H-1B वीजा नियमों का उल्लंघन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह पहल अमेरिकी नागरिकों के लिए रोजगार के नए अवसर लाने और उन्हें उनका 'अमेरिकन ड्रीम' लौटाने की दिशा में उठाया गया कदम है।

ऑपरेशन सिंदूर: भारत की आत्मनिर्भरता और नई युद्ध रणनीति का प्रतीक – कर्नल सोफिया कुरैशी

नई दिल्ली । भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की नई पीढ़ी की सैन्य रणनीति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक है। यह ऑपरेशन न सिर्फ भारत की सैन्य क्षमता का प्रमाण है, बल्कि यह दिखाता है कि देश अब युद्ध को केवल पारंपरिक हथियारों से नहीं, बल्कि तकनीक, डाटा और साइबर शक्ति के ज़रिए भी जीतने की क्षमता रखता है। कर्नल कुरैशी मानेकशॉ सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग : यंग लीडर्स फोरम' में बतौर स्पीकर शामिल हुईं। इस मंच पर उन्होंने भारत की बदलती वॉरफेयर स्ट्रेटेजी और उसमें युवा पीढ़ी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत अब पारंपरिक सीमाओं से आगे बढ़ चुका है। हमारी सेना आज सिर्फ़ फायरपावर (Firepower) पर नहीं, बल्कि फायरवॉल्स (Firewalls) पर भी निर्भर है।

ऑपरेशन सिंदूर – भारत की 'मल्टी-डोमेन वॉरफेयर' का उदाहरण-

कर्नल सोफिया ने बताया कि 7 मई को लॉन्च किया गया ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना की मल्टी-डोमेन प्रिसीजन वॉरफेयर (Multi-Domain Precision Warfare) क्षमता का जिंदा उदाहरण है। इस अभियान में भारत ने पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (POK) में स्थित 9 आतंकी ठिकानों को सटीकता के साथ नष्ट किया। यह हमला पूरी तरह योजनाबद्ध, तकनीकी रूप से सटीक और सीमित समय में पूरा किया गया था। उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में अंजाम दिया गया था, जिसमें भारतीय जवानों की शहादत हुई थी। इसके बाद सेना ने अत्याधुनिक सैटेलाइट इमेजिंग, ड्रोन सर्विलांस और इलेक्ट्रॉनिक इंटेलिजेंस के जरिए दुश्मन के ठिकानों की लोकेशन ट्रैक की। ऑपरेशन के दौरान भारतीय वायुसेना और थलसेना ने समन्वय के साथ काम किया, जिससे यह मिशन पूरी तरह सफल रहा।

पाकिस्तान ने छेड़ी 'इन्फॉर्मेशन वॉर', भारत ने दी जवाबी शिकस्त-

कर्नल कुरैशी ने कहा कि इस दौरान पाकिस्तान ने इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर भी छेड़ी थी। सोशल मीडिया के जरिए भारत के खिलाफ झूठी खबरें फैलाने, डिजिटल भ्रम पैदा करने और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को गुमराह करने की कोशिश की गई। लेकिन भारत ने ठोस तथ्यों, सटीक कम्युनिकेशन और डिजिटल ट्रांसपेरेंसी के ज़रिए उस पूरे प्रोपेगेंडा को नाकाम कर दिया। उन्होंने कहा – "आज जंग केवल बंकरों या गोलियों से नहीं, बल्कि बाइट्स और बैंडविड्थ से भी लड़ी जाती है। **युवाओं से की अपील – फेक न्यूज से बचें, डिजिटल साक्षरता बढ़ाएं-**

कर्नल सोफिया ने देश के युवाओं से आह्वान किया कि वे डिजिटल साक्षरता (Digital Literacy) बढ़ाएं और फेक न्यूज के जाल से दूर रहें। उन्होंने कहा – "आज की दुनिया में एक गलत ट्वीट या झूठी खबर, सीमा पार से आने वाली गोली से ज़्यादा नुकसान पहुंचा सकती है। इसलिए युवाओं को खुद को डिजिटल रूप से सक्षम बनाना होगा।" उनका मानना है कि भारत की युवा शक्ति केवल सेना में भर्ती होकर नहीं, बल्कि साइबर सुरक्षा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ड्रोन टेक्नोलॉजी और डेटा एनालिटिक्स के ज़रिए भी देश की रक्षा कर सकती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,